●वर्ष : 16 ●अंक : 303 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

LKS

# दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित

मगंलवार 25 फरवरी 2025

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
( 9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

## समाचार

### झारखंडः खूंटी में तीन किशोरियों से सामूहिक बलात्कार, 18 नाबालिग पकड़े गए

नूना न्यूज एजेंसी।

**झारखंड।** पुलिस ने खूंटी जिले में तीन किशोरियों से बलात्कार करने के आरोप में 18 नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12-17 साल की उम्र के आरोपियों को किशोर सुधार गृह भेज दिया गया है और पीड़ित लड़कियों की सोमवार को चिकित्सा जांच कराई जाएगी। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमन कुमार ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात की है, जब पांच लड़कियां रानिया इलाके में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रही थीं। परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, पांच लड़कियों में से तीन किशोरियों (उम्र 12 से 16 साल) से लड़कों ने बलात्कार किया। एसपी ने कहा, रविवार को रानिया पुलिस थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद यह घटना सामने आई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित की, जिसने सभी 18 आरोपियों को पकड़ लिया। कुमार ने कहा, आरोपियों को सोमवार को किशोर गृह भेज दिया गया। लड़कियों की जल्द से जल्द चिकित्सा जांच कराई जाएगी।

### कौशांबी में बस पलटने से 19 तीर्थयात्री घायल

नूना न्यूज एजेंसी।

**कौशांबी।** जिले के कड़ाधाम क्षेत्र में सोमवार को एक बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उस पर सवार मध्यप्रदेश के 19 तीर्थयात्री घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मध्यप्रदेश के सागर और दमोह जिलों के श्रद्धालु एक बस से अयोध्या से महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज आए थे और चित्रकूट जा रहे थे। सूत्रों के अनुसार कड़ा धाम क्षेत्र में लेहदरी गांव के पास सम्भवतः चालक को झपकी आ जाने से बस अनियंत्रित होकर पलट गई। सूत्रों का कहना है कि इस घटना में 19 यात्री घायल हो गए। उन्हें कड़ा धाम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां से उनमें से 12 को गंभीर हालत होने पर जिला अस्पताल ले जाया गया।

# दिल्ली विधानसभा में पहले दिन ही हंगामा

## विजेंद्र गुप्ता को बधाई देते हुए आतिशी ने भाजपा पर लगाए आरोप

### गुप्ता ने की आतिशी के बयान की निंदा

आतिशी के बयान के बाद आम आदमी पार्टी और भाजपा के विधायकों के बीच जमकर बहस हुई। इस दौरान गुप्ता ने आतिशी पर सदन के माहौल को खराब करने का आरोप लगाया और आतिशी को बैठने के लिए कहा. हालांकि जब आतिशी ने ऐसा नहीं किया तो उन्होंने कहा कि मैं कड़े शब्दों में आतिशी जी के बयान की निंदा करता हूं. इस दौरान स्पीकर ने आम आदमी पार्टी के सदस्यों को भी चेतावनी दी।

नूना न्यूज एजेंसी।

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा में सत्र के पहले ही दिन सोमवार को सदन में जबरदस्त हंगामा देखने को मिला. दिल्ली की आठवीं विधानसभा के पहले सत्र में तीन बार के भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता को स्पीकर चुना गया. सदन में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने विजेंद्र गुप्ता को बधाई देते हुए भाजपा पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटाने का आरोप लगाया. उन्होंने भाजपा को दलित और सिख विरोधी बताया। वहीं गुप्ता ने आतिशी के बयान की निंदा की और उन पर माहौल खराब करने का आरोप लगाया. इस दौरान सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने विजेंद्र गुप्ता को शुभकामनाएं देते हुए भाजपा पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विधानसभा का नेतृत्व एक ऐसी पार्टी कर रही है जो दलित और सिख विरोधी है. भाजपा ने मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटा दी हैं, जो उसके दलित विरोधी रुख को दशार्ता हैं।, उन्होंने कहा, मेरा भाजपा से एक अनुरोध है. आप प्रधानमंत्री की तस्वीर लगा सकते हैं, लेकिन बाबासाहेब की तस्वीर न हटाएं. इसे ऐसे ही रहने दें।

### केजरीवाल ने भी साधा निशाना

उधर, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली की नयी भाजपा सरकार ने बाबासाहेब की तस्वीर हटाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगा दी. यह सही नहीं है। इससे बाबासाहेब के लाखों अनुयायियों को ठेस पहुंची है।

# महाराष्ट्र में शिवसेना और बीजेपी के बीच विवाद

नूना न्यूज एजेंसी।

**मुंबई।** महाराष्ट्र की महायुति सरकार में चल रही अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गयी है। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उपमुख्यमंत्री एकनाथ फडणवीस पहले से ही नाराज चल रहे थे। अब कृषि उत्पादों की खरीद फरोख्त के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी के मुद्दे पर फडणवीस सरकार की ओर से लिए गए फैसले ने शिंदे के जले पर नमक का काम किया है। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार ढाई महीने पहले ही बनी है और तबसे लगातार शिंदे और फडणवीस के बीच तनातनी की खबरें राज्य के सियासी गलियारों में छायी हुई हैं।

**ये मामला है खींचतान की वजह**

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का यह बयान राज्य की राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है. बीते पंद्रह दिनों में, शिंदे ने दो बार ऐसा बयान दिया है. हालांकि उनकी पार्टी शिव सेना का कहना है कि शिंदे का निशाना उनके प्रतिद्वंद्वी उद्धव ठाकरे हैं, लेकिन राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि शिंदे की कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना है. उनके इस बयान को मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ चल रही मौजूदा तनातनी के संदर्भ में देखा जा रहा है।

इस खींचतान के सिलसिले में अब नया अध्याय जुड़ गया है कृषि उत्पाद को लेकर शिंदे सरकार के कार्यकाल में शुरू की गयी एमएसपी योजना के रूप में. फडणवीस सरकार ने किसानों से फसल खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना में अनियमितताएं पाई हैं, जिसे पिछली शिंदे सरकार द्वारा चलाया गया था. इसमें नोडल एजेंसियों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार के आरोप भी शामिल हैं।

## ज्वलंत मुद्दा सम्पादकीय

### औपचारिक और बेहतर कर्ज से किसानों की बढ़ती उत्पादकता

साल 2025-26 के बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर किसानों को मिलने वाले तीन लाख रूपए के कर्ज को बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसका जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में एक्स पर लिखा है कि इससे सब्जी-फल, हॉर्टिकल्चर की खेती करने वाले किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। अब वे खेती में ज्यादा पैसे लगा सकते हैं, ये उत्पादन की लागत घटाने के उपाय हैं। हालांकि किसान संगठनों को लगता है कि इसका जितना फायदा सोचा जा रहा है, उतना नहीं होने वाला है। किसान संगठनों की मांग है कि किसान क्रेडिट की सीमा बढ़ाने के साथ ही किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफ कर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने-पीने में ही करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का वादा किया था। उसके लिए जो कदम उठाए गए, उसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत भी थी। इसके फायदे हुए भी हैं। लेकिन जो लक्ष्य रखा गया था।

SYED ZAKI HAIDER
( EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

## दिल्ली पुलिस ने 31 करोड़ रुपये के घोटाले में प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया

नूना न्यूज एजेंसी।

**दिल्ली।** पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 31 करोड़ रुपये के दक्षिण दिल्ली संपत्ति सौदा घोटाला के में कथित धोखाधड़ी के लिए एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ईओडब्ल्यू) ए. गुगुलोथ ने एक बयान में कहा कि आरोपी रविंदर बैंसला ने अपनी कंपनी बैंसला हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से कथित तौर पर खुद को संपत्ति के मालिक अशोक कुमार के प्रतिनिधि के रूप में गलत तरीके से पेश किया। बयान में कहा गया है, भारतीय दंड संहिता की धारा 406, 420 और 120बी के तहत दर्ज मामला 14 जून, 2024 को अनुराग बाजपेयी के माध्यम से मेसर्स एनर्जी बिल्डिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत पर दर्ज किया गया था। बैंसला ने शिकायतकर्ता को दिल्ली के समालखा में 31 करोड़ रुपये में एक भूखंड बेचने की पेशकश की और कानूनी विवादों को सुलझाने और खाली कब्जा देने का वादा किया। शिकायतकर्ता ने दिसंबर 2021 और फरवरी 2022 के बीच सौदे के लिए 3.7 करोड़ रुपये का भुगतान किया। हालांकि, बैंसला अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे और बाद में हुए समझौता समझौते का पालन नहीं किया। जांच में शामिल होने के लिए नोटिस दिए जाने के बावजूद बैंसला ने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया, जिसे अदालत ने अस्वीकार कर दिया। उसे 20 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था।

# दिल्ली में विधानसभा नई, हंगामा वही

## नवगठित विधानसभा के पहले दिन दिखा बदला-बदला-सा नजारा

नूना न्यूज एजेंसी।

**दिल्ली।** नवगठित दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र आज से शुरू हुआ और 27 साल बाद भाजपा के विधायक सत्ता पक्ष में बैठे। दिल्ली में लगभग 11 साल राज करने वाली आम आदमी पार्टी के विधायक विपक्षी बेंचों पर बैठे। दिल्ली विधानसभा का नजारा आज एकदम बदला हुआ था। जहां पहले भाजपा विधायक हंगामा और प्रदर्शन करते थे वहीं आज यह काम विपक्षी आम आदमी पार्टी के विधायक करते नजर आये। हालांकि पहले दिन की कार्यवाही विधायकों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाने और विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव जैसी औपचारिकताएं पूरी करने पर केंद्रित रहीं। लेकिन पहले ही दिन जिस तरह के तेवर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने दिखाये उससे यह तो साबित हो गया है कि दिल्ली विधानसभा का सत्र हंगामेदार रहेगा। दिल्ली विधानसभा इस मायने में भी देश में अनोखी विधानसभा है क्योंकि यहां सदन की नेता यानि मुख्यमंत्री भी महिला हैं और नेता प्रतिपक्ष भी महिला हैं। जहां तक विधायकों की शपथ की बात है तो आपको बता दें कि विधायकों ने हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, मैथिली और पंजाबी सहित छह भाषाओं में शपथ ली, जो विधायिका की भाषाई विविधता को दशार्ता है। सत्र शुरू होने से पहले राज निवास में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली की आठवीं विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर (अस्थायी अध्यक्ष) के रूप में शपथ दिलाई। इसके बाद, लवली ने सबसे वरिष्ठ विधायक होने के नाते सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने और फिर उनके मंत्रिमंडल में शामिल छह मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की। इसके बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और गृह मंत्री आशीष सूद ने शपथ ली। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाबी में, जबकि कानून एवं न्याय मंत्री कपिल मिश्रा ने संस्कृत में शपथ ग्रहण की। कई अन्य विधायकों ने अलग-अलग भाषाओं में शपथ ली। करनैल सिंह ने शपथ ग्रहण के लिए पंजाबी, जबकि प्रद्युम्न राजपूत और नीलम पहलवान ने संस्कृत को चुना। वहीं, भाजपा के तरविंदर मारवाह ने शपथ ग्रहण के बाद धार्मिक नारे लगाए, जिस पर प्रोटेम स्पीकर ने आपत्ति जताई और उन्हें याद दिलाया कि यह गुरुद्वारा नहीं है। अमानतुल्ला खान और चौधरी जुबैर ने उर्दू, चंदन चौधरी ने मैथिली, अजय दत्त ने अंग्रेजी और गजेंद्र यादव ने संस्कृत में शपथ ली। इस दौरान, प्रोटेम स्पीकर सदस्यों को लगातार शपथ के आधिकारिक प्रारूप का पालन करने का निर्देश देते रहे। संस्कृत में शपथ ग्रहण करने वाले अन्य विधायकों में संजय गोयल, जितेंद्र महाजन, अजय महावर और करनैल सिंह शामिल हैं। वहीं, अनिल झा ने मैथिली में शपथ ग्रहण की। विपक्ष की नेता और कालकाजी सीट से विधायक आतिशी ने भी शपथ ली। वहीं, चलने में दिक्कत के कारण गोपाल राय ने आतिशी की मदद से अपनी सीट से ही शपथ ली। मोहन सिंह बिष्ट शपथ लेने वाले आखिरी विधायक थे। इसके बाद, तीन बार के भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता को आठवीं दिल्ली विधानसभा के प्रथम सत्र में नया विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रोहिणी सीट से निर्वाचित विधायक के चुनाव के लिए दो प्रस्ताव पेश किए। एक प्रस्ताव मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने और दूसरा कैबिनेट मंत्री रविंदर इंद्राज ने पेश किया। इन प्रस्तावों का समर्थन मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और प्रवेश वर्मा ने किया। इन प्रस्तावों को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। चुनाव प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली ने कराया। चुनाव के बाद मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष नये विधानसभा अध्यक्ष को उनके आसन तक ले गए। वहीं दूसरी ओर, दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने विपक्ष की नेता आतिशी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये देने के वादे को पूरा करने की मांग को लेकर किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात के बाद आतिशी ने कहा, "हमने दो दिन पहले मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा था, लेकिन हमें समय नहीं दिया गया। इसलिए हम विधानसभा परिसर में उनके दफ्तर के बाहर हैं। हम उनसे प्रधानमंत्री मोदी के वादे पर बात करना चाहते हैं जिसमें कहा गया था कि पहली कैबिनेट बैठक के बाद महिलाओं को 2,500 रुपये दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री का वादा अब झूठा साबित हो रहा है।

## कचरे के स्रोत पर ही उसे अलग करना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण : उच्चतम न्यायालय

**दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि कचरे के स्रोत पर ही उसे अलग करना पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के राज्यों से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के अनुपालन के बारे में भी पूछा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि 2016 के नियमों का पालन न करने से देश के सभी शहर प्रभावित हुए हैं। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, एक आदेश में हमने पाया है कि सभी स्मार्ट सिटी परियोजनाएं प्रगति पर हैं। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुपालन के बिना शहर स्मार्ट कैसे बन सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दिल्ली के अलावा हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ जिले शामिल हैं। अदालत ने कहा कि यदि कचरे को सही तरीके से अलग नहीं किया गया, तो कचरे से ऊर्जा बनाने वाली परियोजनाएं भी अधिक प्रदूषण पैदा करेंगी। प्रदूषण मामले में न्यायमित्र एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने एनसीआर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का उल्लेख किया तथा कम मात्रा में अपशिष्ट को अलग किये जाने पर चिंता जताई। अपराजिता सिंह ने कहा कि अपशिष्ट को अलग-अलग न करके उसे सीधे अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाले संयंत्रों में भेजने से प्रदूषण बढ़ता है। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, जैसा कि न्यायमित्र ने सही कहा है, कचरे के स्रोत पर ही उसका पृथक्करण पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि उचित पृथक्करण नहीं होगा, तो अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाली परियोजनाएं भी अधिक प्रदूषण पैदा करेंगी। एनसीआर राज्यों को सभी शहरी स्थानीय निकायों द्वारा 2016 के नियमों के प्रावधानों के अनुपालन के संबंध में हलफनामा दायर करने का आदेश दिया गया।

# पीएम मोदी का लालू यादव पर बड़ा हमला

## बोले- जंगलराज वालों को हमारी आस्था से नफरत है

नूना न्यूज एजेंसी।

**बिहार।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महाकुंभ पर अपनी टिप्पणी के लिए राजद प्रमुख लालू यादव पर तीखा हमला किया और कहा कि जंगलराज में शामिल लोगों को हिंदू आस्था और विश्वास से नफरत है। मोदी ने कहा कि इस समय प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है। ये भारत की आस्था का, भारत की एकता और समरसता का सबसे बड़ा महोत्सव है। पूरे यूरोप की जितनी जनसंख्या है, उससे भी अधिक लोग इस एकता के महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं, लेकिन ये जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे हैं। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को भी कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। मैं जानता हूं, महाकुंभ को गाली देने वाले लोगों को बिहार कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ठऊअ सरकार भारत की गौरवशाली विरासत के संरक्षण और वैभवशाली भविष्य के निर्माण के लिए एक साथ काम कर रही है। लेकिन ये जो जंगलराज वाले हैं, इन्हें हमारी धरोहर से, हमारी आस्था से नफरत है। उनकी यह टिप्पणी इस महीने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से हुई मौतों पर प्रतिक्रिया देते हुए लालू द्वारा महाकुंभ को "अर्थहीन" बताए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। लालू ने कहा था, "कुंभ का कोई मतलब नहीं है...यह बिल्कुल निरर्थक है।" बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उनके बयान को "तुष्टीकरण की राजनीति" कहा था। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मेरा तो सपना है, दुनिया की हर रसोई में भारत के किसान का उगाया कोई न कोई उत्पाद होना ही चाहिए। इस वर्ष के बजट ने भी इसी विजन को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा किबजट में 'पीएम धन धान्य योजना' की घोषणा की गई है। इसके तहत देश के 100 ऐसे जिलों की पहचान की जाएगी, जहां सबसे कम फसल उत्पादन होता है। फिर ऐसे जिलों में खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बीते वर्षों में सरकार के प्रयासों से भारत का कृषि निर्यात बहुत अधिक बढ़ा है। इससे किसानों को उनकी उपज की ज्यादा कीमत मिलने लगी है। कई कृषि उत्पाद ऐसे हैं, जिनका पहली बार निर्यात शुरू हुआ है। अब बारी बिहार के मखाने की है।

# साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में एकेडमिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रकिया की हुई शुरूआत





**नई दिल्ली।** दक्षिण एशियाई देशों के युवाओं के लिए सीमा पार ज्ञान के विस्तार की संकल्पना को साकारित करने के लिए सार्क देशों द्वारा स्थापित साउथ एशियन यूनिवर्सिटी मिशन मोड पर काम कर रही है। इसी क्रम में सार्क देशों के युवाओं का ज्ञानार्जन करने के लिए साउथ एशियन यूनिवर्सिटी ने (SAU) ने शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार किया है। इसके लिए रअव के अध्यक्ष प्रो. के. के. अग्रवाल ने मीडिया के सामने शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की शुरूआत की है। प्रोफेसर केके अग्रवाल ने कहा कि "साउथ एशियन यूनिवर्सिटी उच्च शिक्षा में नए मानक स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। नवीनतम शैक्षणिक कोर्स शुरू करने के साथ, हमारा उद्देश्य छात्रों को एक विकसित दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और शोध क्षमताओं से लैस करना है। हमारे वर्चुअल कैंपस की शुरूआत समावेशिता और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए भी पूरे सार्थक प्रयास किए हैं कि रअफ्फ देशों के साथ-साथ भारत के छात्रों के पास इन अवसरों तक पहुँचने के लिए कई विकल्प खुलें।" प्रो. अग्रवाल ने कहा कि एसएयू विस्तार के एक महत्वपूर्ण चरण से गुजर रहा है। नई दिल्ली के मैदान गढ़ी में एसएयू का अत्याधुनिक 100 एकड़ का स्थायी परिसर है जो एकोफेंडली वातावरण में बना हुआ है। इससे पहले 2022 तक रअव विदेश मंत्रालय के अकबर भवन में एक अस्थायी परिसर से संचालित होता था। नए परिसर में जाने के साथ ही विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक विकास की एक महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू कर दी है। 2023 तक रअव ने केवल मास्टर और पीएचडी कार्यक्रम थे लेकिन 2024-25 के शैक्षणिक वर्ष में हमने कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक शुरू करके एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। शिक्षण गुणवत्ता वैश्विक मानकों को पूरा करते हुए रअव ने अब 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए कई नए कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो इसके शैक्षणिक परिदृश्य को और व्यापक बनाते हैं और उच्च शिक्षा में एक प्रमुख संस्थान के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करते हैं। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों में ऑन-कैंपस कार्यक्रमों के लिए लगभग 1,300 सीटें बढ़ाई हैं। इस विस्तार का एक मुख्य आकर्षण उद्योग की माँगों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए विशेष बी.टेक कार्यक्रमों की शुरूआत है। कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग (CSE) में बी.टेक अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, बिजनेस सिस्टम और इंटेलिजेंस, साइबर सिक्यूरिटी और डेटा साइंस और अक में मांग में विशेषज्ञता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, रअव ने गणित और कंप्यूटिंग में बी.टेक शुरू किया है, जो छात्रों को उभरते तकनीकी क्षेत्रों के लिए आवश्यक उन्नत कम्प्यूटेशनल और विश्लेषणात्मक कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया एक कार्यक्रम है। अंतःविषय शिक्षा चाहने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय ने एकीकृत कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें अंतःविषय विज्ञान में एकीकृत बीएस-एमएस और एकीकृत बीबीए-एमबीए कार्यक्रम शामिल हैं। 2025-26 के लिए प्रवेश के शुभारंभ के साथ SAU अकादमिक उत्कृष्टता और पहुँच के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। हमारे कार्यक्रमों की विविधतापूर्ण श्रृंखला, अत्याधुनिक बी.टेक विशेषज्ञताओं से लेकर अंतःविषय और कार्यकारी शिक्षा तक, यह सुनिश्चित करती है कि छात्र आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करें। हम इच्छुक छात्रों का रअव में इस परिवर्तनकारी शैक्षिक यात्रा का हिस्सा बनने के लिए स्वागत करते हैं," रअव के उपाध्यक्ष प्रो. पंकज जैन ने कहा। वैश्विक उच्च शिक्षा रुझानों के अनुरूप, SAU ने तीन वर्षीय स्नातक डिग्री पूरी करने वाले छात्रों के लिए एक वर्षीय मास्टर कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। ये कार्यक्रम स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए एक त्वरित लेकिन कठोर मार्ग प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को कम समय सीमा में उन्नत योग्यता के साथ कार्यबल में प्रवेश करने की अनुमति मिलती है। इसके अतिरिक्त, रअव ने MBA, कार्यरत पेशेवरों के लिए एक कार्यकारी MBA और MCA की शुरूआत करके अपने स्नातकोत्तर पेशकशों का विस्तार किया है। विश्वविद्यालय M.Tech, MSc (कंप्यूटर विज्ञान), MSc जैव प्रौद्योगिकी, MA समाजशास्त्र, MA अंतर्राष्ट्रीय संबंध, MA अर्थशास्त्र और LLM के कोर्सेज चल रख है, जिससे छात्रों के लिए कई विषयों में शैक्षणिक अवसरों की एक विविध श्रृंखला सुनिश्चित होती है। शोध और अकादमिक उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान देने के साथ, SAU अपने पीएचडी कार्यक्रमों को भी मजबूत कर रहा है। इस वर्ष एक कार्यकारी पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है जो विशेष रूप से उन कामकाजी पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है जो अपने करियर को जारी रखते हुए उन्नत शोध करना चाहते हैं। विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश SAU की अपनी प्रवेश परीक्षा के साथ-साथ SAARC देशों में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाओं के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत में CUET, JEE मेन्स, CAT आदि के अंकों पर विचार किया जाएगा। एसएयू ने अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, अन्य SAARC देशों के छात्रों के पास एक सुरक्षित, प्रॉक्टर्ड ऑनलाइन परीक्षा के माध्यम से परीक्षा देने का विकल्प दिया है, जिससे वे अपने अपने देशों से भाग ले सकेंगे। भारतीय छात्रों के लिए एसएयू देशभर में कई परीक्षा केंद्र स्थापित करेगा। SAU में हम SAARC क्षेत्र के छात्रों के लिए एक सहज और सुलभ प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अन्य सार्क देशों के उम्मीदवार अपने घरों में आराम से एक सुरक्षित, निगरानी वाली ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से परीक्षा दे सकते हैं, जबकि भारतीय छात्रों को देश भर में कई परीक्षा केंद्रों की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त, अन्य सार्क देशों के उम्मीदवारों को भी उनकी योग्यता परीक्षाओं में योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। एसएयू में प्रवेश और परीक्षा निदेशक डॉ. कविता खन्ना ने कहा कि डिजिटल शिक्षा के लिए एसएयू की प्रतिबद्धता में एक प्रमुख मील का पत्थर इसके वर्चुअल कैंपस का शुभारंभ है, जो ऑनलाइन डिग्री और सर्टिफिकेट प्रोग्राम प्रदान करता है। ये कार्यक्रम अपने ऑन-कैंपस समकक्षों के समान ही शैक्षणिक कठोरता, पाठ्यक्रम मानकों और संकाय विशेषज्ञता को बनाए रखते हैं। शैक्षणिक अवसरों का विस्तार करने, शोध क्षमताओं को बढ़ाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने के विश्वविद्यालय के प्रयास वैश्विक शिक्षा में अग्रणी के रूप में इसकी भूमिका को और मजबूत करते हैं।

# कौशलजीज VS कौशल- एक दिल छू लेने वाली कहानी, जो हर परिवार से जुड़ती है





**नई दिल्ली।** कुछ फि ल्में अपनी भव्यता से नहीं, बल्कि सादगी और गहराई से दर्शकों के दिलों तक पहुँचती हैं। कौशलजीज VS कौशल ऐसी ही एक फि ल्म है, जो रिश्तों, सपनों और परिवार के बदलते समीकरणों को खूबसूरती से उजागर करती है। सीमा देसाई के निर्देशन में बनी यह फि ल्म छोटे शहरों की सच्ची भावनाओं और जीवन के उतार-चढ़ाव को संवेदनशीलता से पेश करती है।

**कहानी जो दिलों को छू जाए**

फि ल्म की कहानी कानपुर के एक साधारण लेकिन प्यार से भरे परिवार की है। साहिल कौशल (आशुतोष राणा) एक ईमानदार एकाउंटेंट हैं, जो गुपचुप तौर पर कव्वाली गाने का सपना देखते हैं, जबकि उनकी पत्नी संगीता (शीबा चड्ढा) एक दिन परफ्यूमर बनने की इच्छा रखती हैं। वर्षों तक परिवार और जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देने के बाद, एक दिन यह जोड़ी एक चौंकाने वाला फैसला लेती है, जिससे उनका बेटा युग (पवैल गुलाटी) और बेटी, जो एक एनजीओ में काम करती है, हैरान रह जाते हैं। यह फैसला न सिर्फ उनके रिश्तों की नई परिभाषा गढ़ता है, बल्कि हर किरदार को अपनी ज़िंदगी के मायनों को दोबारा समझने पर मजबूर कर देता है।

**कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियां**

फि ल्म का सबसे बड़ा आकर्षण इसके कलाकार हैं। आशुतोष राणा और शीबा चड्ढा अपने किरदारों को इतनी सहजता और गहराई से निभाते हैं कि यह जोड़ी किसी भी आम ति-पत्नी की तरह लगती है। उनके बीच के छोटे-छोटे संवाद और इशारे भावनात्मक रूप से दर्शकों को जोड़ते हैं।

पवैल गुलाटी, एक उलझन में फंसे बेटे के रूप में, प्रभावी प्रदर्शन देते हैं। वहीं, ईशा तलवार और दीक्षा जोशी अपने किरदारों में सहज नजर आती हैं। फि ल्म को और अधिक रोचक बनाते हैं बृजेंद्र काला, जो अपने चिर-परिचित अंदाज में हल्के-फुल्के संवादों से कहानी में गहराई और हास्य का संतुलन बनाए रखते हैं। साथ ही, ग्रूशा कपूर भी अपने दमदार अभिनय से फिल्म को और अधिक सजीव बना देती हैं।

# बैंकाक के धौनबुरी राजभट विश्वविद्यालय में भारत के विद्वानों ने संस्कृत तथा बौद्ध अध्ययन से जुड़े अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा सांस्कृतिक यात्रा में भाग लिया

**प्रोफेसर अजय कुमार मिश्रा**
**संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकल्प तथा पीआरओ, सीएसयू, दिल्ली ।**

**नई दिल्ली।** सूचनीय है कि इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ,दिल्ली, श्री अरविंदो ,योग एंड नौलेज फाउन्डेशन तथा संस्टेनेबल डण्डिया दोनों, छत्तीसगढ़), थाईलैंड के बैंकाक स्थित धौनबुरी विश्वविद्यालय में सीएसयू के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी के मार्गदर्शन में चैंलेज एंड पौसेबिलीटीज औफ पाली एंड बुद्धिस्ट स्टडीज विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का 19 से 23 फरवरी 2025 तक किया गया। साथ ही साथ विद्वान तथा विदुषियों ने वहां पर सांस्कृतिक यात्राएं भी की । कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने इस भव्य आयोजन की सफलता पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह समय की मांग है कि संस्कृत तथा पाली तथा इसके मिश्रित हाईब्रिड मोड पर आधृत संस्कृत के वैश्विक प्रचार प्रसार के लिए इस तरह के आयोजनों से डैसापोरिक अध्ययन को बढावा दिया जाना चाहिए । साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के विद्वानों विशेष कर छात्र छात्राओं को भारत की ओर रुचि बढ़ाने के लिए सीएसयू ने स्टडी इन इण्डिया जैसे आकादमिक कार्यक्रों को भी आयोजित कर रहा है जिसमें विशेष कर विदेशी छात्र छात्राओं को भारत आकर संस्कृत तथा भारतीय संस्कृति को समझने का सुअवसर मिल सके । धौनबुरी राजभट विश्वविद्यालय, थाईलैंड के वाईस प्रेजिडेंट प्रो शासिय्पा बुकौंग (Sasiapa Bookong) ने सम्मेलन का उद्घाटन करते इस आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सीएसयू के कुलपति तथा इससे जुड़े अन्य सहयोगी आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# असम के लोगों की नजर में सरमा देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री, असम में भाजपा नेता जमीनें हड़प रहे- कांग्रेस

**नई दिल्ली।** 24 फरवरी कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और उनके परिवार के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। इसी के साथ प्रदेश की बदहाली, बिगड़ती कानून व्यवस्था, अवैध तरीके से हो रही रैट-होल माइनिंग समेत अन्य मुद्दों पर भी भाजपा सरकार को घेरा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि असम में मोदी जी ने जुमलों का कारखाना लगाया है और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं। असम में बेरोजगारी, चाय बागान कर्मियों की स्थिति और भाजपा के कुशासन से राज्य पिछड़ गया है। वहीं नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए असम कांग्रेस प्रभारी जितेन्द्र सिंह, लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई, मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा, असम में नेता विपक्ष देबब्रत सैकिया, सांसद रकीबुल हुसैन व प्रद्युत बोरदोलोई, समेत अन्य कांग्रेस नेताओं ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते हैं कि असम में किस स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है और क्या वह इस पर कोई कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस प्रभारी जितेन्द्र सिंह ने कहा कि असम में चाय बागान के मालिकों को डराया-धमकाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के सहयोगी, उनके परिजन चाय बागान खरीद रहे हैं। हिमंता बिस्वा सरमा चाय बागानों को खत्म कर उनका व्यवसायीकरण करना चाहते हैं। इसलिए कई सालों से चाय बागान चला रही कई बड़ी कंपनियां असम से चली गईं हैं। उन्होंने आगे कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी चाय बागान के पास एलिफेंट कॉरिडोर में वाणी ग्रीन रिजॉर्ट चला रही हैं। क्या इसकी अनुमति ली गई है।

# कुछ तथ्य जो जानने आवश्यक है

**डॉ.जया शुक्ला**

**नई दिल्ली।** मेरा आज का यह लेख संभव है कि कुछ सुहृद पाठकों को कड़वा या अप्रिय लगे, किन्तु इस समय निम्न बातों की याद दिलाना आवश्यक हो गया है। इसलिये क्षमाप्रार्थना के साथ निवेदन किया जा रहा है। अपने निहित स्वार्थों के तहत, और सत्ता के लिये, नकली धर्म के नशे में सीधीसाधी जनताको उलझाकर स्वार्थी तत्व लाभ उठाते रहे हैं , और उठा रहे हैं। स्वयं से लोगों का मोहभंग होते हुए देखने पर यह अन्य कई मनगढ़न्त बातों का सहारा भी लेते हैं। इनमें से एक है क्रान्तिकारियों से इनका झूठा मनगढ़न्त संबंध। भारतके सर्वस्व समर्पण कर बलिदान देनेवाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हर देशवासी के मन में गहरी श्रद्धा है, जिस कारण यह लोग उसका लाभ उठाना चाहते हैं। किन्तु क्योंकि इस समूह ने लगातार ब्रिटिश हुकूमत का साथ दिया था और कॉग्रेस के स्वातंत्र्य संघर्ष का सक्रिय विरोध भी किया था, और यह बात सबको पता भी है, यह कॉग्रेस के स्वतंत्रता सेनानियों को स्वयं से जुड़ा तो दिखा नहीं सकते, तो बचे क्रान्तिकारी संगठन। क्रान्तिकारी गतिविधियाँ अत्यन्त गुप्त ही रखी जाती थीं, अतः उनके विषय में झूठ गढ़ना इनको आसान लगा होगा। इस संदर्भ में एक तथ्य का लाभ जानकारी चाहनेवाले लोगों के काम आयेगा। लंदन से एक विशेष र.ढ. भारत में रहता था जो HSRA पर नजर रखता था और प्रत्येक 15 दिनों पर रिपोर्ट लंदन भेजता था। ऐसा ही एक अधिकारी अनुशीलन समिति के लिये भी रहता था। सौभाग्य से यह फाइलें राष्ट्रीय अभिलेखागार (National Archives) के होम पौलिटिकल विभाग में हैं। मैंने पढ़ी हैं। पता चलता है कि इनकी पीठ में भी संघ ने छुपा भौंका। संघ का वीरभद्र तिवारी धोखे से ल्ररफ्भ्र में घुसा, और उसीने चंद्रशेखर आजाद के इलाहाबाद के ऐल्फ्रेड पार्क में होने की सूचना अंग्रेजों को दी थी, जिसके फलस्वरूप श्री आजाद लड़ते लड़ते शहीद हुए। अनुशीलन समिति से मिलने आए नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने कलकत्ता की सड़क पर ही श्यामाप्रसाद मुखर्जी को पीटा था, क्योंकि उनको कई बातें पता चल गई थीं। कॉग्रेस की बदनामी करने के लिये और क्रान्तिकारियों से उनका झूठा विरोध दिखाने के लिये भी कुछ बातें गढ़ी गईं, जिनमें से एक है कि वह सब कम्युनिस्ट आंदोलन से जुड़े थे। किन्तु इसकी सच्चाई जानने के विये निम्न घटनाक्रम जानना ही काफी है। राजनीतिक कैदियों की अ, इ, उ कैटेगरी बनने के बाद जब ल्ररफ्भ्र पर केस प्रारंभ होने लगा तो श्री पियरे लाल, जो बहुत प्रसिद्ध वकील तो थे ही, अनतर्राष्ट्रीय कम्युनिस्ट संगठन के पोलितब्यूरो के सदस्य भी थे, उन्होंने HSRA की ओर से बिना फीस लिये केस लड़ना चाहा। किनन्तु उन्हें ल्ररफ्भ्र ने यही कह कर मना किसा कि वह उनसे शतप्रतिशत सहमत नहीं है। केस में बहस का ज़िम्मा दो क्रान्तिकारियों को मिला, एक तो श्री वात्स्यासन (प्रसिद्ध साहित्यिक नाम अज्ञेय), और दूसरे मेरे पिता श्री विद्याभूषण शुक्ला। आज के मौडर्न आर्ट म्यूज़ियम (इंडिया गेट, दिल्ली) में विशेष कचहरी बनी, जहाँ कोर्ट रोज लगता था। फाइलों के अनुसार एक एक प्रश्न के उत्तर में यह लोग 19 दिन तक बहस कर देते थे। कारण था कि बहुत गहन विचार और चिन्तन के बाद ही लोग क्रान्ति को समर्पित होते थे, और इसीसे बहुत सुदृढ़ तर्क देते थे। किन्तु फिर भी कागज इत्यादि के जो खर्च होते हैं, उसका साधन तो नहीं था, तो उपाय कॉग्रेस करती थी। उनदिनों कॉग्रेस अपने जलसों में क्रान्तिकारियों की कल्वीरें बेचती थी, जो पैसे इनके काम आते थे। आज जो लोग क्रान्तिकारियों से अपने संगठन का तारतम्य दिखाने की चेष्टा कर रहे हैं, उनके क्रियाकलाप क्रान्तिकारियों के सिद्धान्तों से ठीक उल्टी दिशा में हैं। यह बताने के लिये अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के क्रान्तिकारी संगठन HSRA (हिन्दुस्तान लोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी तथा हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसियेशन) का यह घोषणापत्र है, स्वतंत्र भारत का घोषणा पत्र, जो दिल्ली में खूऩी दरवाजे के समीप कोटला फि रोजशाह मैदान में 8 और 9 सितम्बर 1928 को क्रांतिकारियों ने जाऱी किया था। घोषणापत्र के प्रणेता चंद्रशेखर आजाद थे। स्वतंत्रता भारत का घोषणा पत्रः- 1. स्वतंत्र भारत में सार्वजनिक मताधिकार की नींव पर प्रजातंत्र का गठन होगा। इस प्रजातंत्र में उन सभी व्यवस्थाओं का अन्त कर दिया जाएगा जिससे एक मनुष्य द्वारा दूसरे का शोषण होता है। 2. प्रतियोगिता के स्थान पर सहयोगिता के आदर्श को ग्रहण किया जाएगा क्योंकि सहयोगिता में संसार का कल्याण है, प्रतियोगिता में नहीं। 3. स्वाधीन भारत के भावी राज्य के संविधान में न्यायालयों की व्यवस्था निःशुल्क होगी। 4 धर्म के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा, सभी धर्मों का समान आदर किया जाएगा। हमारे देश के शहीदों और क्रांतिकारियों ने ऐसे स्वतंत्र भारत की कल्पना की थी जिसमें प्रजातंत्र धर्मनिरपेक्ष होगा। उस समय साम्राज्यवादियों के इशारे पर जो ताकतें स्वतंत्रता आंदोलन का विरोध करती थीं, वही ताकतें आज भी सक्रिय हैं और वह भारत को नव-साम्राज्यवाद की ओर धकेल रही हैं। क्रांतिकारियों का स्वतंत्र भारत का घोषणापत्र हमें यह स्मरण कराता है कि हम शहीदों के स्वप्नों को साकार करने के लिए सक्रिय रहें।

## न्यूज डायरी

### आंगनवाड़ी वर्कर्स व हेल्पर्स यूनियन ने सरकार के खिलाफ किया रोष प्रदर्शन



**तोशाम न्यूज)।** रविवार को आंगनबाड़ी वर्कर्स व हेल्पर्स यूनियन ने हरियाणा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान निर्मला हसन तथा मंच संचालन मंजू गारनपुरा ने किया। प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला प्रधान राजबाला निनान, जिला सचिव राजबाला शर्मा, सीटू की जिला सह सचिव रत्न जिंदल ने भाग लिया। इस दौरान प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राजबाला खानक ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों में आधुनिक टैब दिए जाएं। 3जी डाटा की जगह 5 जी डाटा दिया जाए, अधिकारी वर्कर्स और हेल्पर्स का उत्पीड़न बंद करें, राशन की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए, आंदोलन के दौरान भाग लेने वाली वर्कर्स और हेल्पर्स का मानदेय जारी किया जाए। इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक प्रधान विजयवीर नैन, ब्लॉक सचिव राजेश दूल्हेड़ी, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला सह सचिव महावीर शर्मा, सीटू की राज्य पदाधिकारी सुदेश रिवासा, दर्शना, बिमला, सुनीता, गुड्डी, निर्मला सरल, प्रेम बवानीखेड़ा आदि उपस्थित थे।

### राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में श्रीबालाजी स्कूल के खिलाड़ियों ने जीता कांस्य पदक



**भिवानी** खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए समय-समय पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन बेहद जरूरी है। खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन युवाओं में खेलों के प्रति संज्ञान बढ़ता है तथा वे भी खेल को अपना कर प्रदेश में देश का नाम चमकाने का काम करते है। इसी उद्देश्य के साथ जिला के गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 17वीं जूनियर हरियाणा स्टेट चैंपियनशिप लडक़े-लड़कियां की पहली मिक्स स्टेट चैंपियनशिप, तीसरी फास्ट फाइव स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था, जिसमें श्रीबालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की लडक़े-लड़कियां की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा लड़कों की फास्ट फाइव में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय संचालिका रेणुका शर्मा व प्राचार्य जेपी सिंह बताया कि इस चैंपियनशिप में श्री बालाजी स्कूल के जूनियर वर्ग की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया। जिससे गांव व विद्यालय में खुशी का माहौल रहा। सभी बच्चों को फूल मालाएं पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सभी अध्यापकगण भी मौजूद रहे सभी ने बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना की और शुभकामनाएं दी।

### डीएवी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल समारोह




**हिसार** स्थानीय डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैमरी रोड में वार्षिक खेल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर चंद्र प्रकाश कंबोज के अतिरिक्त क्षेत्रीय निदेशक अधिकारी सुनीता बहल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई। उन्होंने इस खेल दिवस का शुभारंभ ध्वजारोहण से किया तत्पश्चात विद्यार्थियों ने परेड में भाग लिया व विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में विजय प्राप्त की। नन्हे-मुन्हे बच्चों की प्रतियोगिताओं को खूब सराहना मिली। खेल प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। पंजाबी नृत्य और हरियाणवी नृत्य विशेष आकर्षण के केंद्र बने। क्षेत्रीय निदेशक अधिकारी सुनीता बहल ने आज के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। खेल दिवस में आरंभ से अंत तक विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर चंद्र प्रकाश कंबोज ने बच्चों को खेल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होते हैं द्य उन्होंने बच्चों को शिक्षा के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

### अलीकां में दो दिवसीय ट्रैक्टर टोचन मुकाबले शुरू

**कालांवाली** क्षेत्र के गांव अलीकां में नये स्टेडियम के खेल मैदान में 22 व 23 फरवरी को इलाका निवासियों के सहयोग से वर्ल्ड वार टोचन ग्रुप के बेनर तले आयोजित दुसरा ट्रैक्टर टोचन मुकाबला करवाया जा रहा है। जिसमें हरियाणा, पंजाब, राजस्थान से अनेकों ट्रेक्टर पहुंचे। टोचन मुकाबले का शुभारंभ संत बाबा पूर्ण दास जी अलीकां व उनके साथ सरपंच अमित कुमार, प्रबंधक व गणमान्य लोगों द्वारा किया गया। पहले मुकाबले में जोन डियर 5210 व 36 नंबर हरियाणा के बीच हुए। जिसमें 36 नंबर हरियाणा जीत कर अगले राउंड में पहुंचा। इसी तरह सतनाम को हराकर जस्सी खोखर वाला अगले राउंड में पहुंचा। इसके बाद 5310 शहींदा वाली एच आर 24 ने अर्जुन बछूआना को हराकर अगले राउंड में पहुंचा। इसके बाद स्वराज 855 व जोन डियर के बीच हुए मुकाबले में जोन डियर ट्रेक्टर जीत कर अगले राउंड में यादव को हराकर जोन डियर 5310 जीत कर अगले राउंड में पहुंचा। प्रबंधक कमेटी सदस्यों द्वारा ग्राम पंचायत के सहयोग से ट्रैक्टर टोचन मुकाबले को सफल बनाने के लिए उचित प्रबंध किया गया। दो दिवसीय ट्रैक्टर टोचन मुकाबले में पहले दिन 22 फरवरी को हिस्सा लेने वाले प्रत्येक ट्रेक्टर ड्राईवर/ मालिक से 1500 रु इंट्री लेकर ट्रैक्टरों का कंडे पर वजन किया गया था।। 23 फरवरी, दिन रविवार को सेमीफाइनल व फाइनल होंगे। जिसमें विजेताओं को प्रथम इनाम ट्रॉफी सहित सात तोते हल तथा द्वितीय इनाम ट्रॉफी सहित 13 कल्टीवेटर हल, तृतीय इनाम 11 कल्टीवेटर हल तथा चौथा इनाम ट्रॉफी सहित ए 1+ फाइबर हुड और पांचवा इनाम 5100 रु व चैन स्टेयरिंग व्हील व छठां इनाम 4100 रु व ट्रॉफी । वही ट्रॉफी सहित सातवां इनाम 3100 रु व आठवां इनाम 2100 रु देकर सम्मानित किया जाएगा।

### हड्डी जांच शिविर में 90 लोगों ने उठाया लाभ



**भिवानी** नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जामपुर सेवा समिति द्वारा हर माह के अंतिम रविवार को हड्डी जांच शिविर का आयोजन करवाया जाता है। इसी कड़ी में रविवार को स्थानीय कृष्णा कॉलोनी स्थित डॉ. विद्या सागर चैरिटेबल अस्पताल में आयोजित हड्डी जांच शिविर में 90 मरीजों की जांच की गई। शिविर में मशीन द्वारा हड्डियों की संपूर्ण जांच व फिजियोथैरेपी की गई। शिविर का शुभारंभ जोगीवाला मंदिर महंत वेदनाथ महाराज ने रिबन काटकर की। शिविर में कल्याणी अस्पताल गुरूग्राम से डा. विक्रांत खन्ना ने अपनी सेवाएं दी। जामपुर सेवा समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली एवं महासचिव विनोद मिर्ग ने कहा कि गलत आहार और खराब जीवन शैली के कारण केवल बुजुर्ग ही नहीं, बल्कि बच्चें व युवा भी हुड्डी से जुड़ी समस्याओं का शिकार हो सकते है। ऐसे में प्रत्येक जन को अपने आहार पर विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए तथा नियमित तौर पर व्यायाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर नागरिकों को अपनी हड्डियों की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद करते है। उन्होंने कहा कि हड्डी जांच शिविर लोगों को हड्डी से संबंधित बीमारियों से बचाने और समय रहते आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

### संत-महापुरुषों के सिद्धांतों पर चलना ही राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की एकमात्र राह : डॉ. राजू



**भिवानी** स्थानीय नई अनाज मंडी स्थित अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण परिषद के कार्यालय में रविवार को आधुनिक भारत क महान चिंक एवं प्रखरक सुधारवादी सन्यासी महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती तथा समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की जयंती उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए परिषद के राज्य आयुक्त एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राजू जताई ने कहा कि महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने समाज को अंधविश्वासों से मुक्त करने के लिए वेदों का अध्ययन करने पर जोर दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त सती प्रथा, बाल विवाह व जाति प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने पर जोर दिया तथा स्त्री शिक्षा व विधवा पुर्नविवाह को बढ़ावा दिया। डॉ. राजू जताई ने कहा कि बाबा संत गाडगे महाराज सामाजिक क्रांति के स्तंभ एवं महान समाज सुधारक थे। समाज के उत्थान के लिए अपने को समर्पित कर दिया। उन्होंने महाराष्ट्र के कोने-कोने में अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्याल, चिकित्सालय तथा छात्रावास का निर्माण करवाया, यह सब उन्होंने भीख मांग-मांगकर बनाया, किंतु अपने सारे जीवन में महापुरूष ने अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। उन्होंने कहा कि हम संत-महापुरूषों के सिद्धांतों पर चलकर समाज के सर्वांगीण विकास की तरफ कदम बढ़ा सकते हैं।

## समाचार

### महाशिवरात्रि पर शिव सैनिकों द्वारा किया जाएगा संभल के हरिहर मंदिर पर जलाभिषेक: वेद प्रकाश यादव

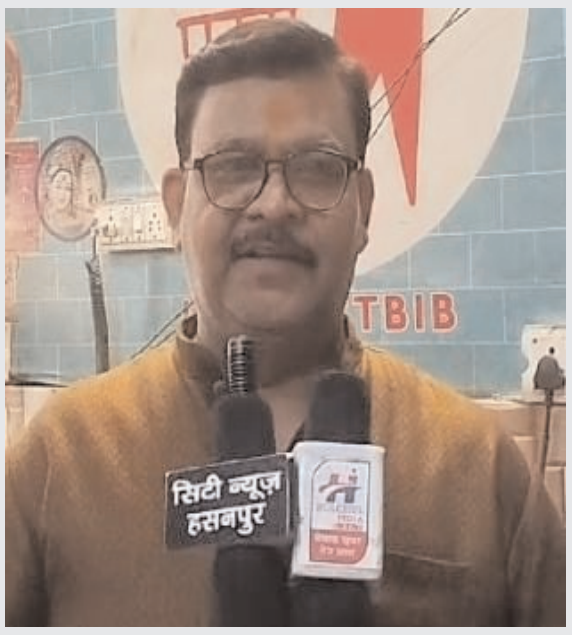


**लोक तंत्र की शान**
**प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा**

**हसनपुर।** शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे के प्रदेश महासचिव व पश्चिमी यूपी के प्रभारी धर्मेंद्र तोमर की घोषणा के बाद अमरोहा जनपद के शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने 26 फरवरी दिन बुधवार को महाशिवरात्रि पर संभल के हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए शिव सैनिकों से 26 की सुबह 7 बजे हसनपुर राजपूत कॉलोनी स्थित शिवसेना के कैंप कार्यालय पर एकत्र होने का आवाहन किया है, तथा उन्होंने बताया कि प्रदेश नेतृत्व की घोषणा के बाद अब सभी अमरोहा जिले के शिव सैनिक मुरादाबाद में मुरादाबाद के शिवसेना जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा के आवास पर एकत्र होंगे तथा वहां से सभी शिव सैनिक संभल के हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए प्रस्थान करेंगे उन्होंने बताया कि पिछले 30 वर्षों से शिवसेना हरिहर मंदिर की मुक्ति के लिए अपना आंदोलन चलाए हुए हैं इसी आंदोलन को जारी रखते हुए शिवसेना के सभी पदाधिकारी सभी जिलों के जिला अध्यक्ष बुधवार की सुबह मुरादाबाद में एकत्र होंगे तथा वहां से संभल के लिए प्रस्थान करेंगे।

### शिव बारात में इस बार मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी शिव पार्वती की जयमाला

**लोक तंत्र की शान**
**प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा**

**हसनपुर।** सोमवार को श्री शिव महादेव सेवा समिति की एक बैठक शिव बारात की तैयारी को लेकर सर्वेश ठाकुर के आवास पर संपन्न हुई जिसमें इस बार शोभायात्रा को और भी आकर्षक रूप देने के लिए विचार विमर्श किया गया, वहीं समिति के लोगों ने बताया कि इस बार भोले बाबा की बारात में मुख्य आकर्षण का केंद्र शिव पार्वती जी की जयमाला का कार्यक्रम जो मोहल्ला होली चौक प्रथमा बैंक के समीप संपन्न कराया जाएगा, समिति के अध्यक्ष रवि शंकर सैनी ने बताया कि शिव बारात नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर से दोपहर 3 बजे बुधवार को प्रारंभ होगी जो नगर के पुराना अस्पताल रोड, पुरानी घास मंडी रोड, रहरा अड्डा से वापस होती हुई जनकपुरी, मुख्य बाजार, इंदिरा चौक, दलपत साइकिल वालों की दुकान से होती हुई मोहल्ला होली चौक में लगभग 9 बजे प्रथमा बैंक होली चौक में जयमाला का कार्यक्रम संपन्न होने के बाद वापस शिवाला मंदिर पर जाकर संपन्न होगी, वहीं उन्होंने बताया कि झांकी में अन्य भगवान के स्वरूपों की झांकियां, अघोरी की बारात, काली का अखाड़ा भी मुख्य केंद्र बिंदु रहेंगे साथ ही उन्होंने सभी सनातन धर्म के प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में शिव बारात में सम्मिलित होने की का आह्वान किया है, इस मौके पर मुख्य रूप से श्री शिव महादेव सेवा समिति के अध्यक्ष रवि शंकर सैनी, उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, सर्वेश ठाकुर, मंकू सक्सेना, नरेश ठाकुर, मनोज यादव, रिंकू प्रजापति, अंशुल अग्रवाल आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### भोले बाबा के जयकारों से गूंज रहा है नगर का कोना-कोना, मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं शिव भक्त

**लोक तंत्र की शान**
**प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा**

**हसनपुर।** सोमवार को नगर में विभिन्न स्थानों पर कांवड़ियों के लिए व्यापारियों एवं समाजसेवियों द्वारा भंडारे लगाए गए हैं जिसमें कांवरिया ठहरकर भोजन एवं जलपान कर रहे हैं तथा वही शिविर में बाहर से आए कलाकारों द्वारा धार्मिक भजनों पर नृत्य एवं शिव तांडव आदि भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं जिन्हें देखने के लिए कांवरियों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी भारी संख्या में पहुंच रहे हैं बताते चलें कि कांवरिया अपने-अपने गंतव्य की ओर भोले बाबा की जयकारा लगाते हुए प्रस्थान कर रहे हैं इस समय नगर के मुख्य मार्ग पर चारों ओर भोले बाबा की जयकारे तथा कांवरिया ही कांवरिया नजर आ रहे हैं, उधर नगर पालिका द्वारा रास्तों पर विशेष सफाई व्यवस्था की जा रही है, तथा सुरक्षा की दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ पूरे क्षेत्र का पैदल ही भ्रमण कर रहे हैं और ई रिक्शाओं को नगर में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है ' बता ते चले कि नगर में अंबेडकर पार्क, पुरानी तहसील, रहरा अड्डा, ब्लॉक तिराहा एवं विभिन्न स्थान पर समाजसेवी संस्थाओं द्वारा शिव भक्तों के लिए भंडारों के आयोजन किए गए हैं।

## भारतीय किसान यूनियन शंकर ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर उप जिला अधिकारी कार्यालय पर दिया धरना

**लोक तंत्र की शान**
**प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा**

**हसनपुर।** सोमवार को भारतीय किसान यूनियन शंकर ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम संबोधित करते हुए उप जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना देने के उपरांत दिया, ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि तहसील हसनपुर में आम की फसल के लिए एक बड़ा उद्योग लगाया जाए, चकबंदी प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त किया जाए, शुगर इंडस्ट्रीज बिजोरा कासमाबाद द्वारा छोड़े जा रहे प्रदूषित पानी को रोका जाए, आवारा खूंखार कुत्ते एवं बंदर तथा आवारा गोवंश पशुओं को पकड़वाया जाए, वहीं उपभोक्ताओं के अधिक आ रहे बिलों को सही करा जाए, साथ ही हसनपुर चीनी मिल का विस्तारीकरण जल्द से जल्द किया जाए, मध्य गंगा नहर फेस टू का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के उपरांत पानी छोड़ा जाए, अंश निर्धारण में त्रुटियों को दूर कर किसानों की समस्या दूर की जाए, हसनपुर तहसील भवन को नवीन भवन में संचालित किया जाए और रजिस्ट्री ऑफिस पुलिस चौकी पुलिस क्षेत्राधिकार का एक कार्यालय बनाया जाए, वहीं किसानों को यूरिया लेने पर जबरदस्ती नैनो डीएपी न थोपी जाए, इस मौके पर मुख्य रूप से बबीता रानी, सुखवीर सिंह, हरि सिंह प्रधान, भजनलाल, शेर सिंह राणा, निजाम प्रधान, याकूब खान, सुशील कुमार, फकीरा सैनी, राकेश चौहान, महेश्वर सिंह, शिवम त्यागी, नेतराम सिंह आदि सहित भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

## सनातन परंपरा व आध्यात्मिक चेतना का महासंगम है महाकुम्भ: एकनाथ शिंदे

**महाकुम्भनगर, 24 फरवरी।** महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत सोमवार को भी दिग्गजों के आने का क्रम लगातार जारी रहा। सोमवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सपरिवार त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। जीवनदायिनी, मोक्षदायिनी एवं पुण्य सलिला मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में स्नान कर उन्होंने महाकुम्भ की आध्यात्मिक चेतना का अनुभव किया। उनके अतिरिक्त, महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा गोपीनाथ मुंडे, चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार तथा राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी सोमवार को त्रिवेणी संगम पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। वहीं, बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी भी सोमवार को महाकुम्भ मेला क्षेत्र पहुंचीं जहां उन्होंने परमार्थ निकेतन के शिविर में चिदानंद सरस्वती और अन्य साधु-संतों संग मुलाकात की। जबकि भोजपुरी सुपरस्टार, सीनियर एक्टर व गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने भी परिवार समेत त्रिवेणी संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाई।

**महाकुम्भ में कोई बड़ा-छोटा नहीं: एकनाथ शिंदे**

एकनाथ शिंदे सपरिवार प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे जहां से वह वीआईपी घाट पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार समेत विधिवत स्नान और पूजा-अराधना की। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ 2025 को विश्व का सबसे बड़ा आयोजन बताते हुए कहा कि प्रयागराज पवित्र भूमि है, यहां सभी एक समान हैं। कोई बड़ा-छोटा नहीं, सभी को एक जैसा सम्मान मिलता है। यहां श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे यह महाकुम्भ दिव्य और भव्य बन रहा है और इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं।

## गैंगरेप के आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस नाकाम, हिंदू संगठनों ने की बुलडोजर कार्रवाई की मांग!

### गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी आरोपियों को पुलिस द्वारा खुली छूट, नहीं हो रही गिरफ्तारी

**पीलीभीत।** दो महीने की लंबी लड़ाई, अनगिनत गुहार और सोशल मीडिया पर भारी दबाव के बाद गैंगरेप पीड़िता को आखिरकार न्याय की उम्मीद तो मिली, लेकिन अब भी इंसाफ अधूरा! पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन पांच दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। गैर समुदाय के युवक ने प्रेम जाल में हिन्दू युवती कों फंसा कर तब घटना को अंजाम दिया जब उसने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर निकाह करने से इनकार कर दिया जिससे खिन्न होकर आरोपी प्रेमी राज उर्फ माजिद ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। उक्त घटना ने जब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बताना प्रारंभ किया तब पुलिस में आनंदनऑफानन में मुकदमा तो दर्ज कर लिया लेकिन आरोपियों की मदद करना नहीं छोड़ा जिस कारण आरोपी अभी तक पुलिस की पकड़ से दूर हैं और पीड़िता के ऊपर दवाब बना रहे हैं। गैंग रेप जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद भी आरोपी खुले में सांस ले रहे हैं। ? लखीमपुर खीरी की युवती ने पीलीभीत के सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के गैर समुदाय के युवकों पर सामूहिक दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया था।? पुलिस से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई, जब सोशल मीडिया पर मामला गमार्या, तब जाकर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। ? अब गुनहगारों के परिवार वाले पीड़िता पर समझौते का दबाव बना रहे हैं, धमकी दी जा रही है कि अगर मामला वापस नहीं लिया तो जान से मार दिया जाएगा। ? अब हिंदू संगठनों ने इस मामले को लेकर मोर्चा खोल दिया है, वे आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि झ आखिर पुलिस चुप क्यों है? आरोपियों पर अभी तक कोई सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या पीड़िता को मिलेगा इंसाफ या फिर दबाव में दब जाएगी उसकी आवाज? कानून व्यवस्था पर उठ रहे हैं सवाल! प्रशासन कब जागेगा?

## योगी सरकार के प्रयासों से यूपी की महिलाएं बन रही आर्थिक प्रगति की मिसाल

**लखनऊ, 24 फरवरी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखने लगे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा योजनान्तर्गत महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दशार्ता है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 96 लाख से अधिक परिवारों की महिलाओं को शामिल किया गया है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ग्राम स्तर पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए बी.सी. सखी योजना के तहत 39,556 बी.सी. सखी कार्यरत हैं, जिन्होंने अब तक 31,103 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लेन-देन संपन्न किया है। इसके माध्यम से महिलाओं ने 84.38 करोड़ रुपये का लाभांश अर्जित किया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

## सीएम ने की समाजवादी पार्टी की खिंचाई, बोले, समाजवादी से सनातनी हो गए हैं नेता प्रतिपक्ष

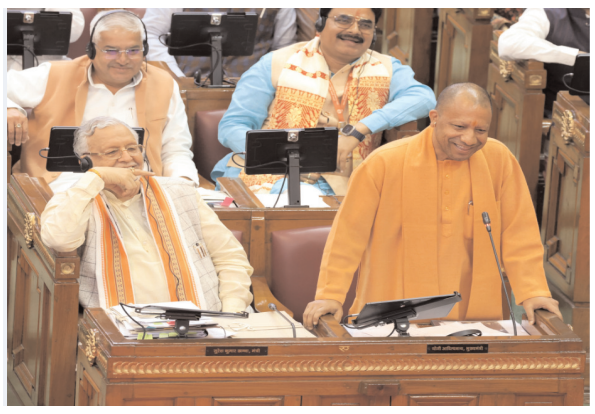

**लखनऊ, 24 फरवरी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बजट सत्र के पांचवें दिन महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह बहुत गंभीर चर्चा है। इसमें सत्ता पक्ष से जुड़े 98 और प्रतिपक्ष के 48 (कुल 146 सदस्यों) ने चर्चा में भाग लिया है। सीएम ने कहाकि नेता प्रतिपक्ष समाजवादी से सनातनी हो गए हैं। स्वभाव के विपरीत उन्होंने अपने सदस्यों को टोका भी। स्वागतयोग्य है कि आपने इस विषय को समझा और महत्व देकर सम्मान का भाव प्रकट किया। सीएम ने सपा के सोशल मीडिया सेल के हैंडल के जरिए उन पर प्रहार किया।

**जिससे सनातन धर्म को मजबूती प्रदान होती हो, उन सबके प्रति हमारे मन में श्रद्धा का भाव**

नेता प्रतिपक्ष के सवालों पर सीएम ने जवाब देते हुए कहा कि जिन महापुरुषों ने भी भारत में जन्म लिया, मैं उन सभी को मानता हूं। मैं बुद्ध, जैन परंपरा (सभी तीर्थंकरों) को मानता हूं। हम लोग सनातन धर्म के साथ-साथ बौद्ध तीर्थस्थलों के पुनरोद्धार व सुंदरीकरण का कार्य कर रहे हैं। भारत के प्रति सम्मान का भाव रखने वाले और सनातन परंपरा में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भूमिका रखने वाले सभी पंथ-संप्रदाय (बौद्ध, जैन, सिख) का हम सम्मान करते हैं। गुरु गोविंद सिंह के चार-चार पुत्रों की शहादत के प्रति सम्मान का भाव ही है कि पीएम मोदी ने 26 दिसंबर की तिथि को वीर बाल दिवस के रूप में घोषित किया है। पहली बार गुरुवाणी का पाठ निरंतर मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है। भगवान बुद्ध, जैन तीर्थंकरों, सिख परंपरा, कबीरपंथी, रविदासी, महर्षि वाल्मीकि की परंपरा या भारत के अंदर जन्मी हर उस उपासना विधि का, जिससे सनातन धर्म को मजबूती प्रदान होती हो और देश एक भारत, श्रेष्ठ भारत के रूप में आगे बढ़ता है, उन सबके प्रति हमारे मन में श्रद्धा व सम्मान का भाव है।

## महाकुम्भ में स्वच्छताकर्मियों ने बनाया एक नया गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

**24 फरवरी- महाकुम्भ नगर।** महाकुम्भ, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक समागम होने के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से इस वर्ष स्वच्छ महाकुम्भ के तौर पर भी विकसित किया गया। इसी दिशा में इस वर्ष महाकुम्भ के दिव्य-भव्य आयोजन के साथ स्वच्छता के कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड भी बनाये जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को मेला क्षेत्र के 4 जोनों में एक साथ 15 हजार स्वच्छता कर्मियों ने सफाई कर वर्ल्ड रिकार्ड बनाने का प्रयास किया। महाकुम्भ 2025 में यूपी की प्रदेश सरकार और प्रयागराज मेला प्राधिकरण अपना ही पिछला वर्ल्ड रिकार्ड तोड़ा। इस अवसर पर प्रयागराज के मेयर गणेश केसरवानी, महाकुम्भ की विशेष कार्यधिकारी आकांक्षा राणा और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की ऑबरवेशन टीम उपस्थिति थी।

**15 हजार स्वच्छता कर्मियों ने बनाया गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड**

महाकुम्भ 2025 दिव्य-भव्य आयोजन के साथ अपने विश्व कीर्तिमानों के लिए भी जाना जा रहा है। एक ओर महाकुम्भ में अब तक 63 करोड़ श्रद्धालुओं का पवित्र त्रिवेणी में स्नान करना जहां अपने आप में स्वयं एक विश्व रिकार्ड है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से स्वच्छ महाकुम्भ अभियान के तहत स्वच्छता को लेकर महाकुम्भ में कई वर्ल्ड रिकार्ड बनाये जा रहे हैं। इसी क्रम में महाकुम्भ मेला क्षेत्र के 4 जोनों में एक साथ 15 हजार स्वच्छता कर्मियों ने झाड़ू लगा कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाने का प्रयास किया। इसकी फाइनल रिपोर्ट 3 दिन बाद जारी की जाएगी। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड संस्था की ओर से मुख्य ऑबजर्वर एवं निर्णायक ऋषि नाथ अपनी टीम के साथ लंदन के मुख्यालय से प्रयागराज आये हैं। साथ ही पूरी प्रक्रिया के ऑबजर्वेशन और अल्टरेशन का कार्य नीरज प्रकाश एंड एशोसियेट चार्टेड एकाउटेंट फर्म कर रही है। स्वच्छताकर्मियों की संख्या की गणना उनके हाथ में लगाये गये स्कैन कोड युक्त बैंड को स्कैन करके की गई है।

## प्रयागराज महाकुम्भ में वायु प्रदूषण नियंत्रण का बना रिकॉर्ड

**महाकुम्भ नगर, 24 फरवरी।** प्रयागराज महाकुम्भ में अब तक 62 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी के पवित्र जल में पुण्य की डुबकी लगाई है। श्रद्धालुओं के हजारों की संख्या में चार पहिया वाहन भी महाकुम्भ क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुके हैं, बावजूद इसके महाकुम्भ नगर की आबो हवा प्रदूषित नहीं हुई है। केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की तरफ से जारी एयर क्वालिटी इंडेक्स से यह बात सामने आई है।

**महाकुम्भ में वायु प्रदूषण नियंत्रण का बना नया रिकॉर्ड**

महाकुम्भ में देश की 60 फीसदी से अधिक आबादी संगम के पावन जल में पुण्य की डुबकी लगाकर चली गई। लाखों चार पहिया वाहन भी यहां रहे। बावजूद इसके महाकुम्भ क्षेत्र की आबोहवा सेहत के लिए खराब नहीं हुई है। केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की तरफ से जारी आंकड़ों से इसे बल मिला है। केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड के पर्यावरण कंसल्टेंट इंजीनियर शहीक शिराज ने इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि महाकुम्भ के दौरान वायु की गुणवत्ता के मामले में महाकुम्भ क्षेत्र ग्रीन जोन में बना हुआ है। उनके मुताबिक, 13 जनवरी पौष पूर्णिमा को महाकुम्भ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 67 था। इसी तरह 14 जनवरी मकर संक्रांति को 67, 29 जनवरी मौनी अमावस्या को 106, 03 फरवरी बसंत पंचमी को 65 और 12 फरवरी माघी पूर्णिमा को 52 रहा है। गौरतलब है कि एयर क्वालिटी इंडेक्स 100 के अंदर अच्छा माना जाता है और 100 से 150 के बीच मॉडरेट। इस तरह महाकुम्भ में केवल मौनी अमावस्या की हवा की गुणवत्ता थोड़ी सी मॉडरेट थी। इसके अलावा सभी दिनों हवा की गुणवत्ता अच्छी रही है। महाकुम्भ के दौरान 42 दिन पूरा क्षेत्र ग्रीन जोन में रहा है।

## भारतीय संस्कृति और प्रकृति के प्रति सम्मान से प्रभावित हुए विदेशी डिप्लोमैट

**महाकुम्भ नगर, 24 फरवरी।** नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के पूर्व कार्यकारी निदेशक एरिक सोलहैम ने महाकुम्भ 2025 में शामिल होकर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का गहरा अनुभव किया। उन्होंने इस महापर्व में अपने अनुभव साझा करते हुए प्राचीन भारतीय विचारधारा और प्रकृति के प्रति सम्मान की सराहना की।

**महाकुम्भ में मिली आध्यात्मिक अनुभूति**

एरिक सोलहैम ने कहा, "महाकुम्भ में आना एक अद्भुत अनुभव रहा। भारतीय दर्शन हमें सिखाता है कि मानव प्रकृति से अलग नहीं, बल्कि उसका अभिन्न हिस्सा है। पश्चिमी सोच में इंसान को प्रकृति से ऊपर माना जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में नदियों, जंगलों, पशु-पक्षियों और धरती माता की पूजा की जाती है।" उन्होंने गंगा स्नान के अनुभव को अद्भुत बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक तरीका भी है।

**भारतीय विचारधारा से प्रभावित**

सोलहैम ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गणेश और हनुमान जैसे देवता इस बात के प्रतीक हैं कि मनुष्य और प्रकृति एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने इस सोच को आधुनिक दुनिया के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अब समय आ गया है कि पूरी दुनिया भारतीय ज्ञान से सीखे और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दे।

**पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतीय संस्कृति से सीखने की जरूरत**

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति का सम्मान और उसकी रक्षा करना सदियों पुरानी परंपरा रही है। महाकुम्भ में आकर उन्हें इस विचारधारा को करीब से समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, "धरती माता इंसानों पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम धरती माता पर निर्भर हैं। हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाना सीखना होगा, और इसमें भारतीय संस्कृति हमें मार्गदर्शन दे सकती है।

# अवैध बिक्री को रोकने के लिए परिसर को सील कर दिया गया

**करनाल बीटू संधू**

**करनाल।** एफडीए, करनाल-1 के औषधि नियंत्रण अधिकारी ने बताया कि सोमवार को एमटीपी किट और दोहरे उपयोग वाली प्रिस्क्रिप्शन दवाओं (एनडीपीएस) की वस्तुओं की अवैध बिक्री/स्टॉक की जांच करने के लिए कैथल रोड, करनाल के स्टार्टिंग फ्लाईओवर के पास, शॉप नंबर 3 पर स्थित फर्म मेसर्स प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का दौरा किया गया। फर्म के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फर्म एनडीपीएस वस्तुओं की अवैध बिक्री में लिप्त थी। फर्म ने 33 से अधिक एनडीपीएस दवाओं का खरीद रिकॉर्ड दिखाया, लेकिन कोई बिक्री रिकॉर्ड नहीं दिखाया। इसलिए अपराध को आगे बढ़ाने/एनडीपीएस वस्तुओं की अवैध बिक्री को रोकने के लिए परिसर को सील कर दिया गया।

## थानों में नहीं खलेगी एसएचओ की कमी

दरअसल, इस समय भी हरियाणा के कुछ थाने ऐसे हैं, जहां सब इंस्पैक्टर स्तर के अधिकारी काम कर रहे हैं जबकि थानों में विभागीय आदेशों के मुताबिक एसएचओ की ही तैनाती होनी चाहिए। यहीं नहीं पुलिस चौकियों में एसआई व एएसआई को तैनात किया जाना चाहिए। चूंकि प्रदेश में लंबे समय से सब इंस्पैक्टरों की इंस्पैक्टर के पद पर पदोन्नति नहीं हुई थी। मगर अब हाईकोर्ट का एक केस में अंतिम निर्णय आने के बाद पुलिस विभाग ने कुल 224 सब इंस्पैक्टरों को इंस्पैक्टर के पद पर पदोन्नत किया है। लिहाजा इस पदोन्नति के साथ ही प्रदेशभर के लगभग थानों में एसएचओ की कमी नहीं खलेगी।

## प्रदेश में कुल 409 पुलिस स्टेशन

**फरीदाबाद** पुलिस कमीश्नरेट में 25, गुरुग्राम कमिश्नरेट में 36, पंचकूला कमिश्नरेट में 09, सोनीपत कमिश्नरेट में 15, झज्जर कमिश्नरेट में 12, अंबाला रेंट के जिला अंबाला में 14, कुरुक्षेत्र में 11, यमुनानगर में 15, हिसार रेंज के जिला हिसार में 10, सिरसा में 09, डबवाली में 04, हांसी में 04, फतेहाबाद में 09, जींद में 12, करनाल रेंज के जिला करनाल में 15, कैथल में 11, पानीपत में 14, रोहतक रेंज के जिला रोहतक में 14, भिवानी में 10, चरखी दादरी में 05, साउथ रेंज के जिला पलवल में 11, महेंद्रगढ़ में 10, रेवाड़ी में 12, नूह में 13 पुलिस थाने हैं। इसके अलावा प्रदेश में 29 साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन हैं। जीआरपी के 16 पुलिस स्टेशन, ट्रैफिक के 25 पुलिस स्टेशन और 32 महिला पुलिस स्टेशन हैं। वहीं एंटी करप्शन ब्यूरो के 07 पुलिस स्टेशन हैं।

# हुक्का बार पर प्रतिबंध, उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई: मंडल आयुक्त

**करनाल बीटू संधू**

**करनाल।** मंडल आयुक्त राजीव रतन ने शहरी क्षेत्र में संचालित हुक्का बार पर तत्काल प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के गृह विभाग की अधिसूचना के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर हुक्का पीने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी कड़ी में जिला के शहरी क्षेत्रों में हुक्का बार पर व्यापक प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस प्रतिबंध के कार्यान्वयन में प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण, उल्लंघन के लिए दंड का सख्त प्रवर्तन और हुक्का धूम्रपान के खतरों के बारे में नागरिकों को शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान शामिल किए गए हैं। मंडल आयुक्त राजीव रतन ने बताया कि जिला के शहरी क्षेत्रों में संचालित हुक्का बारों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसे लेकर डीसी को निर्देश दिए गए हैं। हुक्का बार प्रतिष्ठान अक्सर खुद को सिगरेट पीने के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान करने का दावा करते हैं, जिससे यह गलत धारणा बनती है कि हुक्का का उपयोग कम हानिकारक है। यह एक खतरनाक और स्पष्ट रूप से झूठा दावा है। उन्होंने बताया कि व्यापक वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार हुक्का पीने से सिगरेट पीने के बराबर और कई मामलों में, स्वास्थ्य संबंधी अधिक जोखिम होते हैं। इससे विभिन्न कैंसर (विशेष रूप से फेफड़े, मुंह, मूत्राशय कैंसर), श्वसन संबंधी बीमारियां जैसे क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और अस्थमा, और हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कई हुक्का बार मौजूदा धूम्रपान नियमों की घोर अवहेलना करते हुए संचालित होते हैं। वे अक्सर खराब हवादार और भीड़भाड़ वाला वातावरण बनाते हैं।

# स्थानीय निकाय चुनाव के लिए ईवीएम व पोलिंग पार्टियो का किया गया द्वितीय रैंडेमाईजेशन : निर्वाचन अधिकारी

### रैंडमाइजेशन में करनाल नगर निगम, असंध नगरपालिका अध्यक्ष उप-चुनाव, इंद्री, तरावड़ी व नीलोखेड़ी नगरपालिकाओं में ईवीएम को वार्ड वाईज किया गया अलॉट।

**करनाल बीटू संधू**

**करनाल।** स्थानीय निकाय चुनावों को निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ करवाने के उद्देश्य से अतिरिक्त उपायुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी यश जालुका की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में निकाय चुनाव के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम)व पोलिंग पार्टी का द्वितीय रेंडमाइजेशन किया गया। रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार की गई। जिसके तहत करनाल नगर निगम, असंध नगरपालिका अध्यक्ष उप-चुनाव , इंद्री, तरावड़ी, नीलोखेड़ी नगरपालिकाओं में ईवीएम को वार्ड वाईज अलॉट किया गया। इस मौके पर सभी एआरओ तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे और उन्हें इसकी एक-एक फोटो कॉपी दी गई। क्या है रैंडमाइजेशन- चुनावों में पारदर्शिता बरतने के लिए भारत चुनाव आयोग की ओर से जारी एक ऑनलाईन सॉफ्टवेयर के जरिए रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की जाती है। चुनाव में प्रायः पोलिंग स्टाफ और ईवीएम की रैंडमाइजेशन की जाती है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें एक क्रमवार सूची को सॉफ्टवेयर से अक्रमिक कर सूची तैयार की जाती है, ताकि कोई भी राजनीतिक पार्टी चुनाव अधिकारियों द्वारा तैयार की गई सूची पर संदेह ना जताए। इसी कड़ी में स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर रैंडमाइजेशन में अलग-अलग क्रम पर दी गई ईवीएम को वार्ड वाईज अलॉट कर दिया गया है।

# वॉलीबाल के खेल के साथ हुआ जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

**करनाल सुखविंदर सोही**

**करनाल।** युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र करनाल द्वारा सोमवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल कूद कार्यक्रम का समापन समारोह स्थानीय कर्ण स्टेडियम में किया गया। जिला युवा अधिकारी रेनू सिलग ने बताया कि कार्यक्रम का समापन पुरुष वर्ग की वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता के साथ किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ब्लॉक निसिंग के गांव ब्रास ने बाजी मारी जबकि ब्लॉक नीलोखेड़ी की टीम को द्वितीय स्थान के साथ संतोष करना पड़ा। टीम प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को ट्रॉफी व टीशर्ट एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में करनाल जिले का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। सभी विजेताओं को जिला युवा अधिकारी रेनू सिलग, कोच कृष्ण पाल, राजेंद्र व बलजिंदर, और कार्यक्रम सहायक पंकज गौड़ ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजन में युवा स्वयंसेवकों आशीष, सागर, राहुल, दिव्या, रंजना, रवीना, और शुभम इत्यादि का सहयोग रहा।

# 1 मार्च, 2 मार्च और 12 मार्च को होगा ड्राई-डे, शराब की बिक्री पूरी तरह से रहेगी प्रतिबंधित: जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह

**करनाल सुखविंदर सोही**

**करनाल।** जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि करनाल जिले में नगर निकाय क्षेत्र, जहां-जहां चुनाव होने हैं, ऐसे क्षेत्रों से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित सभी शराब की दुकानें, बार, पब, माइक्रोब्रूवरीज आदि मतदान से एक दिन पहले, मतदान के दिन व मतगणना के दिन बंद रहेंगी। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि नगर निकायों के साधारण चुनाव दौरान शराब की बिक्री पर प्रतिबन्ध रहेगा। इस संबंध में सभी शराब लाइसेंसधारियों को सूचित कर दिया गया है। नगर निगम करनाल, नगर पालिका इंद्री, नीलोखेड़ी, असंध (अध्यक्ष सीट उपचुनाव) और तरावड़ी (वार्ड नंबर 5 उपचुनाव) के लिए मतदान 2 मार्च, 2025 को होना है। ऐसे में नगर निगम व स्थानीय निकायों के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शराब की दुकानें, होटल, रेस्तरां, क्लब और शराब बेचने/परोसने वाले अन्य प्रतिष्ठानों को मतदान

के दिन और मतगणना के दिन किसी को भी शराब बेचने/परोसने की अनुमति नहीं होगी। 1 मार्च, 2 मार्च और 12 मार्च को शराब बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। यह ड्राई डे रहेंगे।

# प्रत्येक आदमी की हर समस्या का समाधान है कमल का फूल : ढांडा

बवानीखेड़ा, फरवरी : बवानीखेड़ा नगर पालिका से चेयरमैन के लिए भाजपा प्रत्याशी सुंदर अत्री के पक्ष में प्रचार-प्रचार करने के लिए प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा बवानीखेड़ा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों में एक दर्जन के करीब जनसभाओं को संबोधित किया तथा भाजपा प्रत्याशी सुंदर अत्री के पक्ष में मतदान की अपील की। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि आज प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी की नीतियों एवं कार्यों से काफी खुश है तथा वह निकाय चुनावों में भी भाजपा को जीताकर अपने क्षेत्र का विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जनता यह भली प्रकार से जान चुकी है कि भाजपा आम आदमी की पार्टी है तथा आम आदमी के हित में कार्य यदि किसी ने किए है तो वह सिर्फ भाजपा ही है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्येक जन के हित को समान रूप से रखते हुए चौतरफा विकास करवाने का काम किया है, जिसकी बदौलत आज हरियाणा प्रदेश तरक्की की राह पर अग्रसर है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे नगर पालिका चेयरमैन के लिए सुंदर अत्री के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करें। इस मौके पर विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा के प्रति जनता में काफी उत्साह है तथा वे नगर पालिका चुनाव में भी भाजपा को अपना समर्थन देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और विकास कार्यों से जनता संतुष्ट हैं और आने वाले चुनाव में भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प ले चुकी हैं। इस दौरान अनेक भाजपा नेताओं सहित सैकड़ों कस्बावासी मौजूद रहे।

# वार्ड-6 की कोमल पांचाल के कार्यालय का हुआ उद्घाटन

### निकाय चुनाव में भाजपा की मेयर व पार्षदों की जीत तय : कृष्ण पंवार, कोमल व कमल है तो जीत निश्चित : हरपाल ढांडा

मंत्री कृष्ण पंवार को स्वागत करते हुए पार्षद प्रत्याशी कोमल पांचाल तथा (दाएं) मंत्री के भाई हरपाल ढांडा व मेयर प्रत्याशी कोमल सैनी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते हुए ईसम पांचाल व कोमल पांचाल।

पानीपत, फरवरी : नगर निगम वार्ड न. 6 की भाजपा प्रत्याशी कोमल पांचाल के चुनावी कार्यालय का आज उद्घाटन किया गया। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा ने रिबन काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा में निकाय चुनाव में भाजपा की लहर चल रही है। भारी बहुमत से मेयर एवं पार्षद भाजपा के विजयी होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मुख्यमंत्री नायब सैनी,केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा हर वर्ग का विकास कर रही है। उन्होंने मेयर पद की प्रत्याशी कोमल सैनी एवं वार्ड नंबर 6 से प्रत्याशी कोमल पांचाल को आने वाली 9 मार्च को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। वहीं हरपाल ढांडा ने कहा कि भाजपा की चल रही आंधी से विपक्षी परेशान हैं। यहां तक कि उन्हें उम्मीदवार खड़ा करने के लिए प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। चारों ओर भाजपामय माहौल है। आगामी 9 मार्च को कमल का बटन दबाकर शहर की सरकार बनाने में अपना सहयोग दें। मेयर प्रत्याशी कोमल सैनी ने कहा कि भाजपा शहर का समुचित विकास करेगी। किसी भी वार्ड में कोई समस्या नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि वार्ड न.6 से कोमल पांचाल को विजयी बनाओ। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल एवं रोहतास व लोकेश ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। जिनका हरपाल ढांडा ने पार्टी का पटका पहनाकर उन्हें विधिवत रूप से भाजपा में शामिल किया तथा पार्टी में पूरा मान सम्मान दिलाए जाने का विश्वास दिलाया। इससे पूर्व पंडित दीपक पांडे ने हवन यज्ञ किया। वहीं पांचाल समाज के जिलाध्यक्ष विपिन पांचाल ने नोटो की माला से हरपाल ढांडा व कोमल सैनी का स्वागत किया। इस अवसर पर वार्ड के प्रभारी भाजपा नेता सतबीर पांचाल,भाजपा नेता कृष्ण आर्य, शक्ति केंद्र प्रमुख भूपेंद्र पांचाल, गुरचरण सिंह, राजकुमार लाला, मोहर सिंह सैनी, मा.विनोद सैन, प्रदीप ठाकुर, सुरेंद्र शर्मा, रमेश पांचाल, प्रवीण पांचाल, सोहन लाल पांचाल, विजय मेहता,विजेंद्र पांचाल, रविंद्र मंडावर, प्रमोद कश्यप, वार्ड 2 से प्रत्याशी काजल शर्मा के पति अनिल शर्मा, बनारसी दास बावा, प्रेम तोमर, भपूेंद्र बालियान, संजय त्यागी, आशु नंदा, पार्षद रेणू धीमान, मोहित शर्मा, रिंकू वर्मा, मनोज जोगी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। पार्षद पद की प्रत्याशी कोमल पांचाल ने वार्ड के लोगों को विश्वास दिलाया कि वार्ड में किसी भी समस्या को नहीं रहने दिया जाएगा। वहीं कोमल पांचाल के ससुर ईसम पांचाल ने आए हुए सभी कार्यकर्ता एवं नेताओं का धन्यवाद किया।

कार्यालय के शुभारंभ समारोह में उपस्थित वार्ड वासी।

# जनता ने ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की ठान ली : बड़ौली

### धड़ों में बंटी कांग्रेस अभी चुनाव लड़ने की सोच भी नहीं पाई : बड़ौली

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मेयर सहित पार्टी उम्मीदवारों में पक्ष में की नुक्कड़ सभाएं

चंडीगढ़, फरवरी : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने हिसार में दावा करते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय है। जनता ने ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की ठान ली है। कांग्रेस को घेरते हुए बड़ौली ने कहा कि गुटों में बंटी कांग्रेस चुनाव लड़ना तो दूर अपने सभी धड़ों को भी एकजुट नहीं कर पाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को हिसार में आधा दर्जन नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया और मेयर प्रत्याशी प्रवीण पोपली के लिए वोट मांगी। हिसार पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली का लोगों ने जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार भाजपा को जनादेश देकर जनता ने डबल इंजन की सरकार बनाई है और अब निकाय चुनाव में जनता भाजपा का साथ देकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का पूरा मन बना चुकी है। श्री बड़ौली ने कहा कि लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि केंद्र व हरियाणा में भाजपा की सरकार है, इसलिए क्षेत्र का विकास ट्रिपल इंजन की सरकार में संभव है।

### प्रदेश अध्यक्ष ने इन स्थानों पर की जनसभाएं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को शहर में आधा दर्जन स्थानों पर जनसभाएं व कार्यक्रम किए। उन्होंने ब्राह्मण धर्मशाला जहाजपुल, भगवान परशुराम जनसेवा समिति ब्रह्म संस्कृत पाठशाला धोबी घाट, सूर्य नगर गली नंबर 10 के पीछे व आजाद नगर में भारती विद्या मंदिर के सामने नुक्कड़ सभाएं की। इसके अलावा उन्होंने गुरुद्वारा भाई जी जीवन सिंह, डोगरान मोहल्ला में आयोजित कीर्तन में भी हिस्सा लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों को वोट देकर जनता शहर के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी और कांग्रेस को इस चुनाव में भी मुंह की खानी पड़ेगी। बड़ौली ने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है, जो हर वर्ग की आशाओं पर खरा उतरती है। केन्द्र की मोदी और प्रदेश की नायब सरकार अपने संकल्प पत्रों को पूरा करते हुए जनकल्याण की योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो वादा करती है उसे गारंटी के साथ पूरा करती है। बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं को 2100 रुपए देने का जो वादा किया है उसे जल्द ही पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा बजट के बाद महिलाओं को 2100 रुपए देने का संकल्प पूरा करने का ऐलान कर दिया है। नायब सरकार के निर्णय से प्रदेश की आधी आबादी खुश है। प्रदेश अध्यक्ष ने शहर की जनता ने अपील करते हुए कहा कि वे कमल के फूल के बटन के निशान पर वोट देकर शहर की छोटी सरकार बनाएं। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली के कार्यक्रमों में अनेक नेता मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, मेयर उम्मीदवार प्रवीण पोपली व प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेन्द्र सहित संबंधित वार्डों के उम्मीदवार मौजूद रहे।

# विधानसभा चुनाव नतीजों से पहले हुड्डा बना चुके थे मंत्रिमंडल, जनता ने दिखाया आईना : डा. अरविंद शर्मा

### कहा, निकाय चुनाव में बनेगी भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

रोहतक, फरवरी : सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में सत्ता लोभ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा अपना मंत्रिमंडल बना चुके थे, लेकिन प्रदेश की जनता ने उन्हें आईना दिखा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विचारधारा व जनहित योजनाओं से आमजन संतुष्ट है और इस बार निकाय चुनावों में भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने जा रही है। शनिवार देर रात को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने वार्ड 5 के खोखरा कोट में भाजपा प्रत्याशी पार्षद के समर्थन में सभा को संबोधित किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस और उनके नेताओं को सत्तालोभ ने इतना आत्ममुग्ध कर दिया था कि उन्होंने विधानसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले अपना मंत्रिमंडल तक बना लिया था। प्रदेश की जनता ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और उनके चहेतों को आईना दिखाते हुए उनके भ्रम को तोड़ने का काम किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में हर वर्ग के उत्थान को लेकर मजबूत कदम उठाए, जिससे जरुरतमंद लोगों के जीवन में सुधार आया। इसी प्रकार हरियाणा में पिछले दस साल में पहले मुख्यमंत्री के नाते मनोहर लाल व वर्तमान में मुख्यमंत्री के नाते नायब सिंह सैनी द्वारा केंद्र सरकार की जनहित योजनाओं के साथ-साथ प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाओं से जरुरतमंद को लाभ दिया। इसकी बदौलत प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की 27 साल बाद जनता-जनार्दन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी की गारंटी पर भरोसा करते हुए सरकार बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियणा में निकाय चुनाव के दौरान भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है और देश कांग्रेस मुक्त की तरफ बढ़ रही है। आज कांग्रेस के पास कुछ नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का जन-जन की भलाई का जो संकल्प है, उसे पूरा करने में ट्रिपल इंजन की सरकार अहम भूमिका निभाएगी। इसलिए जनता-जनार्दन भाजपा प्रत्याशियों को बड़े अंतर से जिताना सुनिश्चित करें।

# योगा कर रहे विद्यालय संचालक के सिर पर कुल्हाड़ी का प्रहार कर निर्मम हत्या

■ उरई

थाना रामपुरा क्षेत्रान्तर्गत एक व्यक्ति की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर देने के संबन्ध में वादी के तहरीर के आधार पर थाना रामपुरा में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है एवं एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूंछतांछ की जा रही है

थाना रामपुरा क्षेत्र सड़क किनारे पुलिया पर बैठकर योगा कर रहे रिटायर्ड शिक्षक एवं तीन विद्यालयों के संचालक के सिर पर किसी घातक हथियार के द्वारा पीछे से वार कर निर्मम हत्या कर दी गई है।

रामपुरा थाना अंतर्गत ग्राम सिलउआ जागीर निवासी विद्याराम आजाद पुत्र लखूराम उम्र लगभग 68 वर्ष की रविवार की सुबह लगभग 6 बजे उस समय हत्या कर दी गई जब वह नित्य की भांति प्रातः कालीन भ्रमण के उपरांत गांव से लगभग 200 मीटर दूर भीमनगर ऊंचा की तरफ माइनर की पुलिया पर बैठकर योगा कर रहे थे उसी समय किसी घातक हथियार से उनके सिर पर पीछे से हमला कर सिर के पीछे के हिस्से को लोथड़ो में बदलकर निर्मम हत्या कर दी है। प्राप्त विवरण के अनुसार विद्याराम आजाद पुत्र लखूराम उम्र लगभग 68 वर्ष सेवानिवृत शिक्षक एवं वर्तमान में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर इंटर कॉलेज भीमनगर (ऊंचा) ,डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल भीमनगर एवं शिक्षा निकेतन प्राइमरी पाठशाला भीम नगर तीन विद्यालयों के संचालक है एवं उनकी पत्नी श्रीमती प्रेमा देवी इन तीनों विद्यालयों की प्रबंधक है।

इसके अतिरिक्त विद्याराम मास्टर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय होने के कारण सजातीय समाज सहित क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों में उनके शुमार होती है। नित्य की भांति आज रविवार की सुबह 5ः30 बजे वह प्रातः कालीन भ्रमण पर अपने घर सिलउआ जागीर से भीम नगर ऊंचा की तरफ जाकर अपने ही खेत से निकली माइनर की पुलिया पर बैठकर योगा कर रहे थे कि अचानक किसी ने पीछे से घातक हथियार के द्वारा प्रहार कर उनके सिर के पृष्ठ भाग को पूरी तरह से चीथड़े चीथड़े कर उनकी निर्मम हत्या कर दी। हत्यारों के द्वारा किया गया प्रहार इतना घातक था कि मृतक विद्याराम छटपटा भी नहीं पाए और उनका शव योग मुद्रा में उसी माइनर की पुलिया की सेफ्टी वाल (दीवाल) पर औंधे मुंह गिर गया । शव के आसपास मांस ही मांस के लोथड़े एवं खून फैला पड़ा था । पुलिया पर रक्त रंजित शव को पड़ा देखा किसी राहगीर ने इसकी सूचना ग्राम सिलउआ जागीर में लोगों को दी तब लोगों ने जाकर देखा की किसी ने विद्याराम आजाद मास्टर की हत्या कर दी है। सूचना पाकर रामपुरा थानाध्यक्ष संजीव कुमार कटियार ,उप निरीक्षक दिनेश ,उप निरीक्षक हर्षवर्धन ,उपनिरीक्षक रामकिशोर, उप निरीक्षक सुनील यादव सहित कई उप निरीक्षक पुलिस दल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए व घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दे आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उरई भेजा है।

### ग्रामीणों ने जताया विरोध

उक्त घटना से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा मृतक के शव को पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए उठा कर ले जाने का जमकर विरोध किया व पुलिस अधीक्षक को बुलाने की मांग करने लगे तब क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ डॉ राम सिंह एवं थाना अध्यक्ष रामपुरा संजीव कुमार कटियार ने ग्राम वासियों से सहयोग मांगते हुए घटना के दोषियों के प्रति सख्त कार्रवाई का आश्वासन दे उन्हें संतुष्ट कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

### पुलिस हत्यारो की खोजबीन में जुटी, कई को लिया हिरासत में

हत्या की उक्त घटना भले ही रामपुरा थाना अंतर्गत हुई है लेकिन जिस माइनर पर यह घटना घटित हुई यह माइनर ही रामपुरा एवं माधौगढ़ थाना क्षेत्र की सीमा का विभाजन करती है एवं घटना के तार माधौगढ़ क्षेत्र से जुड़े होने की पूरी संभावना पर नवागंतुक कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर ब्रजेश बहादुर सिंह मय पुलिस बल ने घटनास्थल पर पहुंचकर रामपुरा थाना पुलिस का सहयोग किया ।

घटना की तहरीर मिलने एवं एफआईआर दर्ज होने से पूर्व ही पुलिस ने सक्रियता बरतते हुए पूंछताछ के लिए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

### जल्द होंगी हत्यारो की गिरफ्तारी- एसपी

पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार ने ग्रामीणों को हत्या आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया हैं।

उक्त घटना के कुछ देर बाद ही पुलिस अधीक्षक जालौन डॉक्टर दुर्गेश कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों व मृतक के परिजनों को आश्वस्त किया कि अपराधी चाहे जो भी हो उसे चिन्हित करके शीघ्र पकड़ कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### घटना के पीछे विद्यालय प्रबंधन को लेकर चल रहा विवाद तो नहीं

रिटायर्ड शिक्षक विद्याराम आजाद की हत्या का कारण तो स्पष्ट नहीं है लेकिन गांव के लोग दबी जवान से आपस में कानाफूसी कर रहे थे जिसका लब्बोलुआब यह था कि एक विद्यालय में प्रबंधन को लेकर लगभग 4 वर्ष से उनका विवाद चल रहा है शायद यह घटना उसी का परिणाम हो। (यह समाचार पत्र इन संभावनाओं की पुष्टि नहीं करता)।

### चार वर्ष पूर्व हुई थी मृतक की पोती की हत्या

मृतक आजाद की पोती भावना पुत्री राम जी उर्फ दिनेश की आज से लगभग 4 वर्ष पूर्व 2020 में उस समय हत्या हो गई थी जब वह उरई में रहकर एएनएम का कोर्स कर रही थी।

### विधुत विभाग के प्रति भारी आक्रोश

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि विद्युत विभाग के लाइनमैनों ने आज की रात ही गांव के दोनों तरफ के ट्रांसफार्मर से तार हटाकर पूरे गांव की लाइट काट दी है। जिससे पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहा । गांव वाले गुस्से में इस विषय को भी घटना से जोड़कर आपस में चर्चा कर रहे थे ।

## भूरेश्वर महादेव मन्दिर में लगने वाले मेले के मद्देनजर डीएम व एसपी ने लिया जायजा

■ उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा आगामी महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत थाना गोहन क्षेत्र के ग्राम सरावन में स्थित भूरेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में लगने वाले मेले का स्थलीय भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था व श्रद्धालुओं के लिये की गयी व्यवस्था के सम्बन्ध में जायजा लिया गया एवं सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

गौर तलब हो कि महाशिवरात्रि के अवसर पर गोहन थाना क्षेत्र के ग्राम सरावण में भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, भूतेश्वर मंदिर पर आयोजित होने वाले इस मेले में बड़ी दूर-दूर से श्रद्धालुओं का आना होता है जिससे भीड़ मंदिर परिसर में एकत्रित होती है ऐसे में कई बार हादसों की संभावना के साथ आपराधिक तत्व भी भीड़ का फायदा उठाने की कोशिश करतें हैं, जिस को देखते हुए आज जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे तथा पुलिस अधीक्षक डॉक्टर दुर्गेश कुमार ने ग्राम का भ्रमण कर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

## ऐतिहासिक मुरली मनोहर तालाब पर शाम को रहता अराजक तत्वों का जमावड़ा

**जालौन-उरई।** नगर के ऐतिहासिक मुरली मनोहर तालाब पर शाम के समय अराजक तत्वों का जमावड़ा लगता है। जिससे तालाब पर सैर के लिए आने वाले लोगों को परेशान होना पड़ता है। नगरवासियों ने एसपी से तालाब पर जुटने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नगर मोहल्ला मुरली मनोहर में ऐतिहासिक पक्का तालाब स्थित है। तालाब के सुंदरीकरण के बाद तालाब के तीन ओर गेट के साथ ही चाहरदीवारी भी बना दी गई है। तालाब पर आने वाले लोगों के बैठने और आराम के लिए सीमेंट की कुर्सिया भी डलवाई गई हैं। तालाब में मछलियां भी हैं। सुबह व शाम के समय तालाब पर लोग भ्रमण और सैर के लिए आते हैं। आस्थावान लोग तालाब की मछलियों को दाना भी खिलाते हैं। सुबह व शाम के समय तालाब पर नजारा देखने लायक होता है। लेकिन अक्सर शाम के समय तालाब पर कुछ अराजक तत्व व नशेबाज भी आ जाते हैं। शराब आदि पीकर वहीं अपशब्द बोले जाते है और गाली, गलौज भी होती है। ऐसे में तालाब पर घूमने के लिए आने वाले लोग असहज महसूस करते हैं। यदि कोई समझाने का प्रयास करता है तो उसके साथ भी अभद्रता पर उतारू हो जाते हैं। अराजक तत्वों के जमावड़े को लेकर नगर के प्रतीकांत चंसौलिया, विनय निगम, विपुल दीक्षित, जहांगीर आलम, अफजाल अहमद आदि ने एसपी से तालाब पर आने वाले अराजकतत्वों के जमावड़े पर रोक लगाने एवं ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

## संक्षिप्त समाचार

### कोटेदार से की गाली-गलौज, पुलिस ने किया मामला दर्ज

**कोंच।** गाली गलौज कर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने 3 महिलाओं सहित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला गोखले नगर निवासी अनुसूचित जाति की महिला रूबी चौधरी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उसके पति के नाम सरकारी राशन की दुकान कांशीराम कालौनी में है। 9 फ़रवरी की दोपहर 2 बजे कालौनी निवासी सितारा पत्नी सब्बीर, तबस्सुम पत्नी गोलू और शिवानी सुभाष नगर निवासी रामराजा पटेल के साथ उसके घर/राशन दुकान पर आयी और राशन सामग्री वितरण में घटतौली करने का आरोप लगाते हुए उक्त सभी लोग उसे जातिसूचक गालियां देने लगे। उसने जब विरोध किया तो लात घूसों से उसे मारापीटा व पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

### छत के रास्ते सूने घर में घुसे चोरो ने जेवर सहित नगदी पार की

**कोंच।** कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला गांधीनगर में खाली पड़े एक घर में घुसकर चोर 60 हजार रुपये की नगदी के अलावा सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। पीड़ति ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। मुहल्ला गांधीनगर निवासी बृजेश रजक पुत्र संतोष ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 18 फरवरी को ग्राम चरमरा थाना दुरसडा जिला दतिया मप्र स्थित ससुराल में आयोजित शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वह घर में ताला डालकर परिजनों के साथ गया हुआ था। रविवार की दोपहर वापस आकर वह घर में घुसा तो उसने देखा कि कमरे के गेट और अंदर रखी अलमारी का ताला खुला हुआ था और अलमारी में रखा सामान बाहर बिखरा पड़ा था शिकायत कर्ता ने बताया अलमारी में रखे कुल 60 हजार रुपये सहित सोने चांदी के आभूषण गायब थे। बृजेश ने पुलिस को बताया कि घर के मेन गेट सहित छत की सीढ़ियों में ताले लगे हुए पाए गए लेकिन छत पर जाल न लगे होने से चोर छत के रास्ते घर में प्रवेश किए हैं। घटना को लेकर पीड़ति ने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।इस संबंध में प्रभारू निरीक्षक विजय कुमार पांडेय का कहना है कि चोरी की घटना के संबंध में पीड़ति द्वारा प्रार्थनापत्र दिया गपा है मौके पर जाकर जांच की जा रही है।

### मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के तहत महिलाओं को किया जागरूक

**उरई।** मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु जनपद जालौन की महिलाओं/बालिकाओं को पुलिस और सरकार की तरफ से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं आदि की जानकारी दी जा रही है । महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा/मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न हेल्प लाइन नम्बर वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102 एम्बुलेंस सेवा 108 व साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों के सीयूजी नम्बर आदि के बारे जानकारी देते हुए 24 घण्टे पुलिस सहायता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया जा रहा है।

## दरिद्र नारायण को समाजसेवियों ने रोटी बनाने की मशीन भेंट की

■ कोंच

दीन दुखियो वेसहारा गरीबो को प्रतिदिन भोजन कराने बाली संस्था दरिद्र नारायण सेवा समिति को कुछ समाजसेवियों के सहयोग से रोटी बनाने बाली मशीन को भेंट किया गया। रोटी मशीन का उद्घाटन एसडीएम द्वारा किया गया।मुहल्ला गांधीनगर स्थित समिति के आश्रम में हुए कार्यक्रम में एसडीएम ज्योति सिंह ने रोटी मशीन का उद्घाटन करते हुए कहा कि दरिद्रों की सेवा और मदद करना पुण्य कार्य है और यह हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। रोटी मशीन उपलब्ध होने से अब रोटी तैयार करने में सुविधा मिल सकेगी। समिति संयोजक कढोरेलाल यादव बाबूजी ने एसडीएम का स्वागत किया। इस मौके पर रोटी मशीन में आर्थिक सहयोग करने वाले इंद्रा द्विवेदी, हाजी मुहम्मद अहमद, सीताराम प्रजापति, ब्रजबल्लभ सेंगर, आनंद प्रकाश बुधौलिया आदि सहित प्रो वीरेंद्र सिंह,विज्ञान सीरौठिया,देवेन्द्र द्विवेदी, सुरेश गुप्ता, रूपेश तिवारी, राजेश गोस्वामी, केशव बबेले, श्रीकांत गुप्ता, गजराज सेंगर, राजीव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

## हत्या करने का प्रयास करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**उरई।** कोतवाली कालपी पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे अभियुक्त को मय ड्ड1द्दड्ड1द्दस्रद्ध तमँचा व दो जिंदा कारतूस सहित मुखबिर की सटीक सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया,अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर उसे पुलिस ने जेल भेज दिया है जानकारी में बताया गया कि कोतवाली कालपी पुलिस द्वारा मु0अ0सं0- 42/25 धारा- 308(5)/127(2)/115(2)/352/351(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त रामजीवन यादव उर्फ जेटू पुत्र स्व0 रामप्रकाश उम्र करीब 28 वर्ष निवासी मोहल्ला आलमपुर कस्वा व थाना कालपी जपनद जालौन को 01 अदद तमन्चा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

## एसडीएम ने किया बोर्ड परीक्षा के नामित केंद्रो का निरीक्षण

■ कोंच

एसडीएम ने बोर्ड परीक्षा के लिए नामित किए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं संपन्न कराने के लिए कोंच तहसील क्षेत्र में 7 विद्यालयों एसआरपी इंटर कालेज, कमला नेहरू बालिका इंटर कालेज, सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज, महावीर इंटर कालेज सामी, सदुरु इंटर कालेज चांदनी, श्रीकृष्ण इंटर कालेज पिरौना एवं जिला परिषद इंटर कालेज नदीगांव को परीक्षा केंद्र के तौर पर नामित किया गया है। परीक्षा में किसी तरह का व्यवधान न आने पाए इसके लिए व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हैं या नहीं, इसका जायजा लेने के लिए एसडीएम ज्योति सिंह ने इन सभी केंद्रों पर जाकर स्ट्रांग रूम, कैमरे, पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय, मेडिकल किट, प्रकाश व्यवस्था, जेनरेटर, गार्ड तैनाती आदि का भौतिक सत्यापन किया। एसडीएम ने बताया, जहां जहां कमियां नजर आईं उन्हें तत्काल दूर करने के लिए संबंधितों को कहा गया है। प्रधानाचार्यों को यह भी कहा गया कि समस्त परीक्षा मानकों को पूरा करें। पिरौना में अग्निशमन यंत्र आउटडेटेड पाए गए जिन्हें तत्काल बदलने के लिए कहा गया। कमला नेहरू एवं विद्या मंदिर में प्रकाश व्यवस्था बढ़ाने को कहा गया। सीएचसी कोंच और नदीगांव को परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा गया। इसके अलावा बिजली विभाग के उपखंड अधिकारी को परीक्षा के मद्देनजर समुचित बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अधिशासी अधिकारी नगरपालिका कोंच एवं नगर पंचायत नदीगांव को परीक्षा केंद्रों पर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। कोंच, एट, नदीगांव, कैलिया थाना पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था मुकम्मल रखने के निर्देश दिए गए हैं।

# संत निरंकारी मिशन के प्रोजेक्ट अमृत के अन्तर्गत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन की ओर एक सार्थक कदम

■ कानपुर

रविवार को संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु प्रोजेक्ट अमृत के अन्तर्गत स्वच्छ जल स्वच्छ मन परियोजना के तृतीय चरण का आयोजन सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से सम्पूर्ण भारतवर्ष की लगभग सभी शाखाओं द्वारा किया गया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति समाज में जागरुकता प्रदान करना है।

बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुये इसी श्रृंखला के अन्तर्गत संत निरंकारी मण्डल कानपुर में मैम्बर इंचार्ज मोहन छाबड़ा जी के मार्ग दर्शन में चारों शाखाओं (गोविन्द नगर, श्याम नगर पाण्डु नगर एवं कल्याणपूर) द्वारा क्रमशः अम्बेडकर नगर नहर, लाभारा घाट, आनंदेश्वर मंदिर घाट एवं ब्रह्मावर्त घाट बिदूर पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। दिल्ली से आये परम आदरणीय संत एस0 एल0 गर्ग जी के पावन संरक्षण में सेवादल के समस्त भाई बहनों एवं मिशन के अनुयाइयों ने निस्वार्थ भाव से युक्त होकर सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया। नहर एवं घाट के किनारे जमा पालिथीन कूड़े पूजा सामग्री आदि को सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने मिलजुल कर एक स्थान पर एकत्रित किया एवं काली पालीथीन में भरकर नगर निगम की गाडियों तक पहुंचाया गया।

जन मानस को पीने के पानी की स्वच्छता के प्रति एवं जल संरक्षण हेतु जागरुकता प्रदान करने के लिये श्रद्धालुओं द्वारा घाट एवं नहर के आस पास बैनर लगाये गये जैसे जल बचाओ कल बचाओ, प्रदूषित पानी हमारी हानि, प्रदूषण अंदर हो या बाहर दोनो हानिकारक है, स्वच्छ जल स्वच्छ कल, स्वच्छ जल स्वच्छ मन इत्यादि।

इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक जे एस0 बिंद्रा जी ने बताया कि वह वृहद अभियान देश भर के 27 राज्यों एवं केन्द्रशासित राज्यों के 900 शहरों में लगभग 1000 स्थानों में आयोजित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में कानपुर में भी चार स्थानों पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सदगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज अक्सर यही प्रेरणा देते हैं कि हम धरती को और भी सुंदर स्वरूप में छोड़कर जायें।

यह अभियान इसी संकल्पना का साकार स्वरूप है जो समाज को जागरूकता सेवा समर्पण की दिशा में आगे बढ़ाने कार्य करेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ब्रह्मावर्त घाट बिदूर में विधायक अभिजीत सिंह सांगा जी, आनंदेश्वर घाट में श्रीमती सौम्या पाण्डेय अपर अगायुक्त उ.प्र भी सम्मिलित हुये।

यह कार्यक्रम संयोजक मुखियों एवं सेवादल के सभी अधिकारियों के दिशा निर्देश में समर सेवादल के सहयोग साथ संगत के सहयोग से सफलतापूर्वक मन हुआ। कार्यक्रम के अन्त में श्रद्धालुओं के लिये प्रसाद के पैकटों का प्रबन्ध किया ।

आस्था

हरिद्वार में महा शिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए हर की पैड़ी पर शिव भक्त पवित्र गंगा जल इकट्ठा करते हुए।

### धर्म के बिना जनता का कल्याण नहीं हो सकता

# कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी मंदिर सरकार के नियंत्रण से मुक्त हों : शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती

महाकुम्भनगर, ब्यूरो, प्रयागराज

कांची कामकोटि पीठ के पीठाधिपति जगद्गुरू शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती रविवार को महाकुम्भ पहुंचकर अपने शिष्यों के साथ संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद गंगा पूजन और दुग्धाभिषेक किया। इसके बाद वह महाकुम्भ स्थित श्री कांची कामकोटि पीठ के शिविर में पहुंचे। इस अवसर पर जगद्गुरू शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती ने कहा कि सनातन संस्कृति विश्व की आदर्श संस्कृति है। इस संस्कृति को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का काम सरकार, समाज और मठ मंदिरों के द्वारा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कुम्भ राष्ट्र को दिशा देता है। चाहे श्रीराम मंदिर के निर्माण का अभियान हो या देश में सनातन धर्म को शक्ति देने वाली सरकार हो, कुम्भ राष्ट्र को मार्ग दिखाता है। इस बार के कुम्भ में मंदिरों की मुक्ति की बात उठी है। इसलिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी मंदिर सरकार के नियंत्रण से मुक्त होने चाहिए। उनका प्रबंधन हिन्दुओं के हाथों में होना चाहिए। मंदिरों के द्वारा भक्ति व श्रद्धा का प्रचार घर-घर तक पहुंचाने का काम होना चाहिए। प्रजा के हित के लिए धर्म संरक्षण बहुत जरूरी-शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती ने कहा कि देश की प्रगति हो रही है और भी होनी है। जनता का भौतिक

विकास के साथ आध्यात्मिक उन्नति होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा प्रजा के हित के लिए धर्म संरक्षण बहुत जरूरी है। धर्म के बिना जनता का कल्याण नहीं हो सकता। धर्म के लिए विश्ववास के लिए कानून के सहयोग की जरूरत है। कानून के लिए सरकार की जरूरत है। सरकार के द्वारा सनातन धर्म संस्कृति के लिए मठ मंदिरों के द्वारा जो भी धर्म प्रचार करना है उसका साथ देने से अपने देश में भौतिक विकास भी होगा और मानवता का भी विकास होगा और शांति भी होगी। सब लोग मैत्री और सद्भावना से रहेंगे। इसलिए शांति के लिए सबसे जरूरी है धर्माचरण। धर्माचरण के लिए नीति बनाने में निधि बनाने में सरकार का योगदान अत्यंत जरूरी है। अपने देश का विकास विश्व शांति के लिए होगा। शंकराचार्य ने कहा कि भारत का कल्याण धर्माचरण से होगा। यह महाकुंभ का आयोजन इसका उदाहरण है। आस्था जनता के मन में है। आस्था की मजबूती के लिए संस्था और व्यवस्था की जरूरत है। भारत की जनता में मंदिर, गाय, वेद पुराण, शास्त्र के बारे में सदाचार के बारे में सभ्यता व संस्कृति के बारे में आस्था है उसको संरक्षण के लिए सुरक्षा का एक जरूरत है। महाकुम्भ में भगवान के विश्वरूप का दर्शन हो रहा शंकराचार्य ने महाकुम्भ को एकता का कुम्भ बताते हुए इसे अद्वैत कुम्भ कहा। कहा कि महाकुम्भ में भगवान के विश्वरूप का दर्शन हो रहा है। विश्व के अनेक देशों से श्रद्धालु यहां आये हैं। वहीं भारत के सभी राज्यों चाहे पूर्वोत्तर भारत हो दक्षिण भारत के राज्य बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुम्भ में आये। आदि शंकराचार्य ने पदयात्रा के माध्यम से भारत में मैत्री एकता के लिए पीठों की स्थापना और धर्म प्रचार किया था, वह उद्देश्य महाकुम्भ के द्वारा पूरा हुआ है। सरकार व प्रजा के सहयोग से संपन्न महाकुम्भ से चैतन्य व स्फूर्ति मिली है।

शंकराचार्य ने की महाकुम्भ की सराहनाशंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती ने महाकुम्भ की व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि महाकुम्भ चलाने का योग, योगी को प्राप्त हुआ है। योगी जब सांसद बने थे तब से उन्हें हम देख रहे हैं। योगी आदित्यनाथ में वायुवेग के समान गतिशीलता है। गायों के संरक्षण में गोरक्षपीठ की अग्रणी भूमिका रही है। नेपाल के पशुपतिनाथ और गोरक्षपीठ का संबंध है।

## भारत हो या अमेरिका या फिर इटली ही क्यों न हो

इन वामपंथियों में राहुल गांधी को भी शामिल कीजिए, जो राष्ट्रवादी विचारधारा के खिलाफ खुल कर सामने आ चुके हैं।

इंडिया गेट से

अजय सेतिया की कलम से

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी का एक वीडियो बहुत वायरल हो रहा है। जिसमें वह कह रही हैं कि वामपंथी घबराए हुए हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद उनकी चिडचिडाहट उन्माद में बदल गई है। सिर्फ इसलिए नहीं कि दुनिया भर में रूढिवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि दुनिया भर के रूढिवादी वैश्विक स्तर पर आपस में सहयोग कर रहे हैं। जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाया था तो उन्हें स्टेट्समेन कहा गया, लेकिन आज जब ट्रंप, मेलोनी, मिल्ले या मोदी आपस में बात करते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह उनका हद दर्जे का दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। और अच्छी खबर यह है कि लोग अब उनके झूठ पर विशवास नहीं करते, चाहे वे हम पर कितना भी कीचड़ क्यों न फैंके। नागरिक हमारे लिए वोट करते हैं। "यह अच्छी बात है कि मेलोनी ने अपने भाषण में जहां रूढिवादी शब्द का इस्तेमाल किया, वहीं भाषण के अगले हिस्से में अपने अपने देश के लिए राष्ट्रवादी शब्द का इस्तेमाल भी किया। पिछले पंच दशकों में रूढिवादी शव्द को वामपंथियों ने गाली की तरह इस्तेमाल किया है। उनके भाषण का यह क्लिप देख कर अपन के सामने राहुल गांधी का चेहरा उभर आया, और भारत के उन जेएनयू छाप पत्रकारों का चेहरा भी उभर आया, जो भारत में मोदी की जीत को हार बताते हैं, उनके प्रधानमंत्री बनने पर पिछले सात महीनों से अपने कपड़े फाड़ रहे हैं। भारत में मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर उनमें भयंकर बेचैनी है। दुनिया भर के वामपंथियों ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। बाराक ओबामा से लेकर जो बाइडेन तक ने कोई कसर नहीं छोडी। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने के लिए यूएसएड के खजाने से जार्ज सोरोस की संस्था के माध्यम से 182 करोड़ का पैकेज तक बनाया गया। जिसमें से 111 करोड़ पिछले तीन साल में भारत पहुंचा। दलबदल करवा कर सरकार गिराने के लिए बाकी का 71 करोड़ भी पहुंचता, लेकिन ट्रंप की निगाह पड़ गई और यूएसएड रोक दी गई। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने में विफल रहने वालों को अब हिन्दू संस्कृति पर गुस्सा आता है, क्योंकि हिन्दुओं ने एकजुट हो कर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दिया है। कुंभ मेले में 50 करोड़ से ज्यादा लोगों के स्नान करने पर उन्हें भयंकर बेचैनी है। हालांकि आंकडा 58 करोड़ का बताया जाता है। अखिलेश यादव तो 40 करोड़ मामने को भी तैयार नहीं, पर चलो अपन 50 करोड़ ही मान लेते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में कुल वोटर 97 करोड़, 97 लाख, 51 हजार 847 थे, जिनमें से 64 करोड़ 64 लाख वोटरों ने वोट किया। इनमें से भाजपा को 23 करोड़ 59 लाख वोट मिले थे। जबकि कुंभ में 50 करोड़ से ज्यादा हिन्दुओं ने स्नान किया। यानि कुंभ स्नान करने वाले आधे से ज्यादा हिन्दुओं ने भी भाजपा को वोट नहीं किया। जिन 34 प्रतिशत वोटरों ने वोट नहीं किया, उनमें से भी ज्यादातर कुंभ नहाने आए होंगे। देश भर से कुंभ नहाने आए हिन्दू उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के बन्दोबस्त से गदगद हो कर लौटे हैं। सोचो, अगर कुंभ लोकसभा चुनावों से पहले होता, तो वोटिंग 70 प्रतिशत जा सकती थी। इसलिए राहुल गांधी से लेकर ममता बनर्जी तक, और वामपंथियों से लेकर समाजवादियों तक को कुंभ शूल की तरह चुभ रहा है। नेहरू-गांधी परिवार से कोई कुंभ नहाने नहीं गया। अखिलेश यादव कुंभ नहाने जरुर गए, लेकिन कुंभ पर उनकी टिप्पणियां बेशर्मी वाली रही। कुंभ में हुई एक दुर्घटना में मरने वालों की तादाद उन्होंने हजारों में बता दी। संसद में हंगामा भी किया। मुस्लिम वोट के लिए ममता बनर्जी ने महाकुंभ को मृत्यू कुंभ तक कह डाला। उन सब पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार मुंह खोला है। बागेश्वर धाम में मोदी ने कहा कि कोई भारत की सांस्कृतिक परंपराओं का कितना भी विरोध करे, महाकुंभ भारत की एकता को मजबूत करता रहेगा। पाठक अगर भारत की एकता को हिन्दुओं की एकता पढ़ें तो कोई हर्ज नहीं। क्योंकि मुसलमानों के लिए कुंभ प्रतिबंधित था, जो भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी परंपरा नहीं मानते। कुंभ में कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मस्जिद खाली करवाने का संकल्प भी लिया गया है। मोदी ने खुद अपने एक्स हैंडिल पर अपने 38 मिनट के भाषण का वीडियो पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने कुंभ का जिक्र करते हुए उन नेताओं को आड़े हाथों लिया, जो हिन्दू धर्म का मजाक उड़ाते हैं, हिन्दुओं के त्योहारों और परंपराओं को गाली देते हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी रूप में इसी भारत में रहते आए हैं। वे हिन्दुओं की मान्यताओं, संस्कृति और मन्दिरों पर हमला करते रहते हैं। हिन्दुओं का मखौल उड़ाते हैं। हिन्दू धर्म को कमजोर करने के लिए विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देती हैं। मोदी के भाषण का भावार्थ वही है, जो इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा है। सनातन धर्म और कुंभ का विरोध वही नेता कर रहे हैं, जिन्हें मोदी की जीत पर भारत का लोकतंत्र खतरे में लगता है। फर्क सिर्फ इतना है कि मोदी ने उन वामपंथियों का नाम नहीं लिया, जो अमेरिका, इटली और भारत में अपने मंसूबों में सफल नहीं हुए। जो मोदी, ट्रंप और मेलोनी की जीत से चिडचिडाहट का शिकार हो चुके हैं। इन वामपंथियों में राहुल गांधी को भी शामिल कीजिए, जो राष्ट्रवादी विचारधारा के खिलाफ खुल कर सामने आ चुके हैं।

### महाशिवरात्रि पर्व पर निकलेगी पेशवाई

## जूना अखाड़े के नागा संतों ने काशी विश्वनाथ दरबार में पेशवाई की तैयारी परखी

एजेंसी, वाराणसी

महाशिवरात्रि पर्व पर हनुमानघाट स्थित श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े से निकलने वाली नागा संतों की पेशवाई (शोभायात्रा) को लेकर संत रविवार शाम को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पहुंचे। नागा अखाड़ों के संतों ने धाम में पेशवाई और दर्शन- पूजन की तैयारियों का जायजा लिया। संतों ने मंदिर के सीईओ विश्वभूषण के साथ मंदिर में भ्रमण कर व्यवस्था को देखा। शोभायात्रा निकाल कर समारोहपूर्वक भगवान विश्वनाथ के दर्शन- पूजन की परम्परा के निर्वहन के लिए विभिन्न अखाड़ों के नागा

संन्यासियों के दरबार में भव्य स्वागत की भी तैयारी है। इस दौरान धाम में मौजूद डीसीपी काशी, डीसीपी सुरक्षा तथा अन्य पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के अफसरों के साथ संतों ने सुरक्षा बिंदुओं पर चर्चा की। मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि पर प्रवेश, दर्शन पूजन और निकासी को लेकर न्यास के अधिकारियों ने संतों को पूरी जानकारी दी।

### लाखों लोगों के बीच पद्मश्री डॉ. सोनकर ने गंगा जल पीकर दिखाया

## गंगाजल में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पनप ही नहीं सकता : डॉ. सोनकर

गंगा के पवित्र जल को लेकर फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति के दावों पर बड़ा खुलासा हुआ है। पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय सोनकर ने अपनी प्रयोगशाला में गंगा जल को लेकर कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले हैं। इसके अलावा लाखों श्रद्धालुओं के सामने वैज्ञानिक ने गंगा जल पीकर भी दिखाया। यह भी साबित किया कि इसमें ऐसा कोई हानिकारक बैक्टीरिया नहीं है, क्योंकि गंगा जल की विशेषता और मौजूदा तापमान इसे बैक्टीरिया के विकास के लिए अनुपयुक्त बनाते हैं। डॉक्टर अजय सोनकुर ने बताया है कि सबसे बड़ी बात तो ये है कि फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पानी के 20 डिग्री

सेल्सियस तापमान से कम होने पर पूरी तरह से निष्क्रिय रहता है। जबकि पूरे महाकुम्भ के दौरान गंगा जल का तामपान 10 से 15 डिग्री तक ही रहा है। संगम के विभिन्न घाटों पर वैज्ञानिक ने श्रद्धालुओं के बीच गंगा जल का तामपान भी जांचा। इसी के साथ यह जानकारी दी कि 20 डिग्री सेल्सियस तापमान से कम होने पर यह बैक्टीरिया खुद को बढ़ा ही नहीं सकता है।

## पोप फ्रांसिस की हालत नाजुक कभी भी बिगड़ सकती है स्थिति

एजेंसी, वेटिकन रोम

पोप फ्रांसिस की हालत शनिवार को गंभीर हो गई और उन्हें लंबे समय तक दमा संबंधी श्वास समस्या बनी रही, जिसकी वजह से उन्हें अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की आवश्यकता हुई। वेटिकन ने एक बयान में कहा कि फ्रांसिस फेफड़ों के संक्रमण के कारण एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हैं और जांच में पता चला कि उनमें एनीमिया की स्थिति है। फ्रांसिस (88) को 'ब्रोंकाइटिस' की समस्या के बाद 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था और मंगलवार को चिकित्सकों ने उनके दोनों फेफड़ों में निमोनिया का निदान किया। इसके साथ ही उनकी श्वास नली में 'पॉलीमाइक्रोबियल' संक्रमण भी पाया गया था।

## चीन में पुरुषों को शादी के लिए नहीं मिल रहीं लड़कियां

एजेंसी, बीजिंग

चीन में पुरुषों और महिलाओं की संख्या के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण कई युवाओं को शादी के लिए लड़की नहीं मिल रही। एक उदाहरण के रूप में 37 वर्षीय लॉरी ड्राइवर फू को देखा जा सकता है, जो गांव में अपने माता-पिता के साथ रहता है और उनकी इच्छा है कि वह शादी करें, लेकिन उसे कोई लड़की नहीं मिल रही। फू का कहना है कि

महिलाओं की संख्या बहुत कम है और यह समस्या बहुत आम होती जा रही है। फू जैसे पुरुषों को चीन में गुआंग गन कहा जाता है, जिसका मतलब है वह शाखाएं जिनमें फूल नहीं खिलते। चीन में महिलाओं की संख्या में गिरावट की शुरुआत लगभग दस साल पहले हुई थी और अब यह समस्या गंभीर होती जा रही है।

### विवाह योग्य पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर

2027 तक विवाह योग्य आयु वर्गों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की संख्या 2 करोड़ 25 लाख अधिक होगी। यह संख्या अब तक सबसे बड़ी है, जब कोई अतिरिक्त युवा पुरुषों की संख्या की बात की जाती है। इसके अलावा 25 से 39 साल के अविवाहित पुरुषों की संख्या 2006 में 13% थी, जो बढ़कर 2022 में 30% हो गई। चीन में आबादी की स्थिति में बदलाव से यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। 1973 में देश में जनसंख्या कम करने का अभियान शुरू किया गया था और 1979 में एक बच्चे की नीति लागू की गई थी। इस नीति के तहत लड़कों को प्राथमिकता दी गई, जिससे लड़कियों की संख्या में कमी आई।

### लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो के पूर्वोत्तर हिस्से में बढ़ रही हिंसा

## कांगो के राष्ट्रपति की नई रणनीति, विपक्ष से गठबंधन की सरकार बनाने को कहा

एजेंसी, किशांसा

लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो के पूर्वोत्तर हिस्से में बढ़ रही हिंसा से निपटने के लिए राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदीन ने नई रणनीति बनाई है। उन्होंने कहा कि वह विपक्षी दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाने जा रहे हैं। क्योंकि उन पर हिंसा से निपटने को लेकर दबाब बढ़ रहा

है। राष्ट्रपति ने सत्तारूढ़ गठबंधन सेक्रेड यूनियन ऑफ द नेशन की बैठक में कहा कि आंतरिक झगड़ों से विचलित होने की जरूरत नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने युद्ध नहीं, बल्कि लड़ाई हारी है। मुझे विपक्ष सहित सभी से संपर्क करना चाहिए। अब राष्ट्रीय गठबंधन की सरकार बनाने की जरूरत है। बीते महीने रवांडा समर्थित विद्रोही संगठन एम23 और अन्य उग्रवादी संगठनों ने पूर्वी कांगो के गोमा शहर पर कब्जा किया था।

# महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025- महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में अमृत स्नान जैसे महासंयोग से दुनियाँ होगी खुशहाल

## महाकुंभ पर महाशिवरात्रि एक महासयोंग, इस दिन आसमान में सात ग्रह परेड करते दिखाई देंगे, जो अद्भुत दुर्लभ भौगोलिक घटना है

**महाशिवरात्रि पर महाकुंभ संगम स्नान कई माइनों में अहम होने की मान्यता है, इस दिन सात ग्रहों के परेड से विश्व में शांति सद्भाव व खुशहाली होगी- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र**

**गोंदिया** - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चल रहे इस अद्भुत महाकुंभ समागम जिसमें मेरा मानना है 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के दिन तक करीब 70 करोड़ से पर श्रद्धालुओं ने डुबकी लगा चुके होंगे श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई होनें की संभावना प्रबल है इसका मतलब है कि भारत की करीब 60 पेर्सेंट जनता ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। संभावित रूप से अपने पापों का विसर्जन भी कर दिया है जिसका अंतिम अवसर दिनांक 26 फरवरी 2025 को है। हालांकि महाशिवरात्रि का महाकुंभ से महासंयोजन बन रहा है जिससे महाशिवरात्रि के दिन ही अंतिम स्नान कर महाकुंभ का समापन होगा। एक आध्यात्मिक जानकार के अनुसार त्रिवेणी में स्नान तो कभी भी कर सकते हैं परंतु महाकुंभ संयोग शिवरात्रि के संगम के दिन जैसा पुण्य नहीं मिलेगा, ऐसी मान्यता है।महाशिवरात्रि पर आर्टिकल लिखने के लिए मैं चार दिनों से रिसर्च कर रहा हूं तो मैंने पाया यह त्यौहार किसी एक राज्य या देश तक सीमित नहीं है, यह दक्षिण से पश्चिम व उत्तर से पूर्व तक राज्यों व विदेशों में भी मनाया जाता है, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूँकि महाकुंभ पर महाशिवरात्रि एक महासंयोग है, इसदिन आसमान से सात ग्रह परेड करते दिखाई देंगे, जो अद्भुत दुर्लभ व भौगोलिक घटनाहै, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में अमृत स्नान जैसा महासंयोग है जिससे दुनियाँ खुशहाल होगी। साथियों बात अगर हम महाशिवरात्रि महापर्व को जानने की करें तो,हिन्दुओं के लिए महाशिवरात्रि का पर्व बहुत महत्व रखता है, हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पड़ती है, इस साल यह पर्व 26 फरवरी 2025 को मनाया जाएगा।महाशिवरात्रि को शिव की महान रात के रूप में मनाया जाता है ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवी पार्वती और भगवान शिव का विवाह हुआ था।महाशिवरात्रि का उपवास रखने की प्रथा काफी सालों से चली आ रही है। कुछ लोग इस व्रत के दौरान पूरा दिन अन्न और जल ग्रहण नहीं करते, वहीं कुछ भक्त फल, दूध और ड्राई फ्रूट्स का सेवन करते हैं। शिवरात्रि के दिन भगवान शिव के भक्त पूरे श्रद्धा भाव से भोले नाथ की पूजा अर्चना करते हैं। भोलेनाथ को इस दिन बेलपत्र दूध, फल और मिठाई अर्पित की जाती है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि का दिन भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। कहा जाता है कि इस एक दिन व्रत रखने से पूरे साल की गई शिव पूजा के समान फल की प्राप्ति होती है और सभी पापों से मुक्ति मिलती है।साल 2025 में महाकुंभ के साथ महाशिवरात्रि का विशेष योग बन रहा है। यह एक अद्भुत संयोग है जो 144 साल बाद आता है। महाकुंभ और महाशिवरात्रि दोनों ही हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण त्योहार हैं। महाकुंभ में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर स्नान करने का विशेष महत्व है। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि है और इसी दिन महाकुंभ का आखिरी स्नान भी होगा। इस दिन संगम तट पर विशाल स्नान और पूजा का आयोजन होगा। साथियों बात अगर हम महाशिवरात्रि अनेक राज्यों व विदेशों में भी विधि विधान से मनाए जाने की करें तो महाशिवरात्रि तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले में स्थित अन्नामलाईयर मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। इस दिन पूजा की विशेष प्रक्रिया गिरिवलम या गिरि प्रदक्षिणा है, जो पहाड़ी की चोटी पर शिव के मंदिर के चारों ओर नंगे पैर 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा है।भारत के प्रमुख ज्योतिर्लिंग शिव मंदिर, जैसे कि वाराणसी और सोमनाथ, महाशिवरात्रि पर विशेष रूप से दर्शनार्थ आते हैं। वे मेलों और विशेष आयोजनों के लिए भी स्थल के रूप में काम करते हैं। कर्नाटक में महाशिवरात्रि सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है जिसे बहुत भव्यता के साथ मनाया जाता है। उत्साही भक्त पूरी रात जागते हैं और अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए मंदिरों में जाते हैं। धर्मस्थल , मुरुदेश्वर , गोकर्ण , नंजनगुड , माले मडेश्वर हिल्स , कडु मल्लेश्वर , कोटिलिंगेश्वर , मायलारालिंगेश्वर जैसे लोकप्रिय मंदिर स्थलों में राज्य और अन्य पड़ोसी राज्यों से भक्तों की भीड़ उमड़ती है।आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में , पंचरामस में विशेष पूजा आयोजित की जाती है - अमरावती के अमरारामम, भीमावरम के सोमारामम , द्रक्षरामम , समरलाकोटा के कुमारराम और पलाकोल्लू के क्षीराराम। शिवरात्रि के तुरंत बाद के दिनों को 12 ज्योतिर्लिंग स्थलों में से एक, श्रीशैलम में ब्रह्मोत्सवलु के रूप में मनाया जाता है। वारंगल में रुद्रेश्वर स्वामी के 1000 स्तंभों वाले मंदिर में महाशिवरात्रि उत्सव आयोजित किया जाता है । श्रीकालहस्ती, महानंदी, /यागंती , अंतरवेदी,कट्टामांची,पट्टीसीमा , भैरवकोना,हनमकोंडा कीसगुट्टा वेमुलावाड़ा,पनागल,कोलानुपका सहित अन्य स्थानों पर विशेष पूजा के लिए भक्त उमड़ते हैं। शिवरात्रि यात्राएँ कंभलापल्ले के पास मल्लय्या गुट्टा, रेलवे कोडुरु के पास गुंडलकम्मा कोना, पेन्चलाकोना, भैरवकोना, उमा महेश्वरम सहित अन्य स्थानों पर आयोजित की जाती हैं। मंडी शहर में लगने वाला मंडी मेला महाशिवरात्रि समारोह के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि क्षेत्र के सभी देवी-देवता, जिनकी संख्या 200 से अधिक है, महाशिवरात्रि के दिन यहां एकत्रित होते हैं।कश्मीर शैव धर्म में , महा शिवरात्रि कश्मीर के हिंदुओं द्वारा मनाई जाती है और इसे कश्मीरी में "हेराथ" कहा जाता है, यह शब्द संस्कृत शब्द हरारात्रि से लिया गया है जिसका अर्थ है हरा की रात (शिव का दूसरा नाम)। उदाहरण के लिए, समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार माना जाने वाला शिवरात्रि, उनके द्वारा फाल्गुन (फरवरी-मार्च) के महीने के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी या तेरहवीं को मनाया जाता है, न कि देश के बाकी हिस्सों की तरह चतुर्दशी या चौदहवीं को।नेपाल-महा शिवरात्रि नेपाल में एक राष्ट्रीय अवकाश है और पूरे देश में मंदिरों में विशेष रूप से पशुपतिनाथ मंदिर में व्यापक रूप से मनाया जाता है।हजारों भक्त पास के प्रसिद्ध शिव शक्ति पीठम में भी जाते हैं। पूरे देश में पवित्र अनुष्ठान किए जाते हैं। महाशिवरात्रि को टुंडीखेल में सेना मंडप में आयोजित एक शानदार समारोह के बीच नेपाली सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। राजधानी काठमांडू में , सड़क अवरोध का प्रावधान है जहां बच्चे पैसे के बदले में लोगों या वाहन को गुजरने से रोकने के लिए रस्सियों और तारों का उपयोग करते हैं। शिव के उपासक पूरी रात जागते हैं और कुछ लोग मारिजुआना भी पीते हैं क्योंकि माना जाता है कि शिव एक शौकीन धूम्रपान करने वाले थे और इस दिन मारिजुआना धूम्रपान को 'शिवको प्रसाद' या 'शिव बूटी ' लेना कहा जाता।पाकिस्तान-एक प्रमुख मंदिर जहां शिवरात्रि मनाई जाती है वह कराची में श्री रत्नेश्वर महादेव मंदिर है जिसके शिवरात्रि उत्सव में 25,000 लोग शामिल होते हैं।शिवरात्रि की रात, कराची में हिंदू उपवास करते हैं और मंदिर जाते हैं। बाद में, चनेसर गोठ से भक्त शिव की मूर्ति को स्नान कराने के लिए पवित्र गंगा नदी से जल लेकर मंदिर आते हैं । पूजा सुबह 5 बजे तक की जाती है, उसके बाद आरती की जाती है। फिर भक्त फूल, अगरबत्ती , चावल, नारियल और एक दीया लेकर महिलाओं के साथ नंगे पांव समुद्र की ओर चलते हैं, जिसके बाद वे अपना उपवास तोड़ने के लिए स्वतंत्र होते हैं। वे बाद में नाश्ता करते हैं, जो मंदिर की रसोई में बनाया गया था।दक्षिण एशिया के बाहर-महा शिवरात्रि नेपाल और भारत के शैव हिंदू प्रवासियों के बीच मुख्य हिंदू त्योहार है। इंडो-कैरिबियन समुदायों में , हजारों हिंदू कई देशों के चार सौ से ज्यादा मंदिरों में खूबसूरत रात बिताते हैं, शिव को विशेष झाल (दूध और दही, फूल, गन्ना और मिठाई का प्रसाद) चढ़ाते हैं।मॉरीशस में , हिंदू गंगा तलाव , एक गड्ढा-झील की तीर्थयात्रा पर जाते हैं ।

**एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र**

सामयिक

## तमिलनाडु में हिंदी का विरोध

**हिंदी** की पढ़ाई को लेकर तमिलनाडु में एक बार फिर से तलवारें खिंचती दिखाई पड़ रही हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को एक विशाल विरोध-प्रदर्शन में चेतावनी दी कि हिंदी थोपने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ एक और विद्रोह जन्म ले सकता है। उनके पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यों पर शिक्षा-निधि के मार्फत दबाव बनाने का आरोप लगाया था। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में द्रमुक ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) और तीन-भाषा फॉर्मूले की आलोचना करके माहौल को गर्मा दिया है।

तमिलनाडु में भाषा केवल शिक्षा या संस्कृति का विषय नहीं है। द्रविड़-राजनीति ने इसके सहारे ही सफलता हासिल की है। द्रविड़ आंदोलन, जिसने डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को जन्म दिया, भाषाई आत्मनिर्णय के सिद्धांत पर आधारित था। राष्ट्रीय आंदोलन के कारण इस राज्य में भी कांग्रेस, मुख्यधारा की पार्टी थी, पर भाषा पर केंद्रित द्रविड़ आंदोलन ने राज्य से कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया और आज तमिलनाडु में कांग्रेस द्रमुक के सहारे है। इस राज्य में भाषा-विवाद लगातार उठते रहते हैं। पिछले साल संसदीय शीत-सत्र में 5 दिसंबर को विरोधी दलों के सदस्यों ने 'भारतीय न्याय संहिता' के हिंदी और संस्कृत नामों के विरोध में सरकार पर हमला बोला। उन्होंने सरकार पर 'हिंदी इंपोज़ीशन' का आरोप लगाया। एक दशक पहले तक ऐसे आरोप आमतौर पर द्रमुक-अद्रमुक और दक्षिण भारतीय सदस्य लगाते थे। अब ऐसे आरोप लगाने वालों में कांग्रेस पार्टी भी शामिल है। अप्रैल, 2022 में गृहमंत्री अमित शाह ने संसदीय राजभाषा समिति की 37वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हिंदी को पूरे देश में स्थानीय भाषाओं के बजाय अंग्रेजी के विकल्प के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है कि सरकार का कामकाज हिंदी में हो। उनके इस बयान के पीछे 'हिंदी-विरोधियों' को साम्राज्यवाद की गंध आई। शाह ने कहा कि हिंदी को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने के प्रयास होने चाहिए। जब विभिन्न राज्यों के नागरिक संवाद करते हैं, तो 'यह भारत की भाषा में होना चाहिए।'

राज्य सरकार हिंदी के पठन-पाठन के दरवाज़े बंद रखना चाहती है। उसे लगता है कि एक बार दरवाज़े खुले तो राजनीति का रंग-रूप बदल जाएगा। बहरहाल तमिल-बगावत के स्वर एनईपी के तहत तीन-भाषा सूत्र से जुड़ी शर्तों और समग्र-शिक्षा कार्यक्रम लिए केंद्रीय धन जारी करने से जुड़े मतभेदों के कारण सुनाई पड़े हैं।

इतिहास में आज

## भारतीय अभिनेता जॉय मुखर्जी

**जॉय मुखर्जी** (24 फरवरी 1939 - 9 मार्च 2012) एक भारतीय अभिनेता और निर्देशक थे। उन्हें '1960 और 1970 के दशक के दिल की धड़कन' कहा जाता था। जॉय मुखर्जी का निधन 9 मार्च 2012 को मुंबई के लीलावती अस्पताल में उनके 73वें जन्मदिन के ठीक दो सप्ताह बाद हुआ, जहाँ वे वेंटिलेटर पर थे। वे लंबे समय से बीमार थे।

- 2013 में 24 फरवरी के दिन ही राउल कास्त्रो को दूसरे कार्यकाल के लिये क्यूबा का राष्ट्रपति चुना गया था।
- 2008 में आज ही के दिन फिदेल कास्त्रो ने क्यूबा के राष्ट्रपति के रूप में इस्तीफा दे दिया था।
- 2004 में 24 फरवरी के दिन ही रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मिखाइल कास्यानोव को उनके पद से हटाया था।
- 1996 में आज ही के दिन मेग मॉलोन ने एलपीजीए कप ओ 'नूडल्स हवाईयन लेडीज गोल्फ ओपन जीता था।
- 1986 में 24 फरवरी के दिन टेक्सास एयर पूर्वी एयरलाइंस को 676 मिलियन डॉलर में खरीदा है।

सुनहरे शब्द

## स्पष्टता

जहां स्पष्टता है
वहां संदेह का कोई
स्थान नहीं
और जहां संदेह है
वहां स्पष्टता का
अभाव है।
स्वयं पर संदेह
आत्मविश्वास की कमी
और मन की कमजोरी से
होता है

और स्वयं के प्रति
स्पष्टता, व्यक्ति की
गहरी समझ और
परिपक्वता को
निरूपित करती है।

●संजय अग्रवाल
ज्वाइंट कमिश्नर
आयकर विभाग

# सोशल मीडिया का दुष्प्रयोग और सांस्कृतिक संकट

**शाहीन सबा**

**सोशल** मीडिया आज संचार की दुनिया में एक बड़ी ताक़त के रूप में उभर रहा है। उसकी साक्रिय उपस्थिति से आबालबृद्ध सभी प्रभावित हो रहे हैं। उसकी अपरिहार्य, तीव्र और लुभावनी और सुगम उपस्थिति आज समाज में सबको अपने आगोश में लेती जा रही है। सूचना की दुनिया से आगे बढ़ कर सोशल मीडिया हमारी निजी उपस्थिति और उसकी सार्थकता के आशय और जीवन के सरोकार सबको प्रभावित कर रहा है। हमारी अस्मिता को रचता हुआ वह किसी दुनिया या सत्य का प्रतिनिधित्व या प्रस्तुति से आगे बढ़ कर अपनी एक स्वायत्त दुनिया बना चुका है। उसका अपना वजूद वास्तविक दुनिया को भी गढ़ रहा है। ख़ास तौर पर संचार प्रौद्योगिकी की दुनिया में 'मोबाइल' के ज़रिए सोशल मीडिया ने आम आदमी की ज़िंदगी में जिस तरह की ज़बरदस्त सेंधमारी की है उसका निकट इतिहास में कोई जोड़ नहीं दिखता। इसकी लोकप्रियता कितनी है इसका अंदाज़ा लगाना बेहद मुश्किल है। लोग जीवन में बिताए जाने वाले समय में घंटों इससे चिपके रहते हैं। सोते समय स्वोपन के मिथ्या जगत में तो हम रहते हैं परंतु आज की सच्चाई यह है कि जाग्रत अवस्था में वर्चुअल या आभासी दुनिया में हमारी आवाजाही वास्तविक दुनिया में जीने की तुलना में बढती जा रही है। आज सबके मन में अपने को रचने, प्रस्तुत करने और एक बड़े विस्तृत फलक पर उपस्थित करने की प्रबल इच्छा जाग रही है। दर्शक को प्रतिभागिता का अवसर देने वाली अंतःक्रियात्मक सोशल मीडिया दर्शक या पाठक को बेहिसाब शक्ति का अहसास कराती है। इसकी लोकप्रियता का गणित ऐसा है कि 'इंफलुएंसर' (यू ट्यूबर!) गण देश के सामाजिक-सांस्कृतिक नेता की तरह अभिनंदित होते हैं और अच्छी ख़ासी आर्थिक कमाई भी करते हैं। यानी वर्चुअल दुनिया मुख्य होती जा रही है और वास्तविक दुनिया के दिलो-दिमाग को संचालित कर रही है। वह रंगीन, गतिशील और अत्यंत व्यापक है और इसलिए उसके स्पर्श में आकर आदमी आसानी से बदल जाता है। अब दैनिक जीवन के जीने के सामान्य अभ्यास में 'स्क्रीन टाइम' (संचार और संवाद के गैजेट से जुड़ा रहने में बिताने वाला समय) एक ख़ास मद हो गया है।

यह आभासी दुनिया लोगों को अपने अनुभव-संसार को गढ़ने के लिए कई विकल्पों के साथ असीमित लगने वाली छूट दे रही है और वास्तविक दुनिया में होने वाली गतिविधियों को निर्धारित कर रही है। दर्शक को अपनी निजी स्वतंत्रता के विस्तार का अहसास होता है। इस तरह का यह आभासी दायरा अब इंटरनेट के सहयोग से अपरिमित-सा होता जा रहा है। यह अब मन मस्तिष्क पर छाता हुआ यह आभासी हस्तक्षेप हमारे भाव-जगत को आकार देने लगा है। इस तरह वह जाने अनजाने हमारे स्वभाव को भी बनाते-बिगाड़ते हुए प्रभावित कर रहा है।

ताजा घटनाक्रम में एक महानगर की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि से आने वाले सुपठित युवा द्वारा की गई अश्लील प्रस्तुति चर्चा का विषय बनी है। वर्चुअल प्लेटफार्म पर अभद्रता की हदें पार करने की इस शिकायत पर सबकी नज़रें गई हैं। यह सब है तो पुराना धंधा परंतु इस बार बात सुप्रीम कोर्ट तक औपचारिक रूप से पहुंच गई। पहुँची ही नहीं बल्कि सर्वोच्च अदालत ने उसका तत्काल संज्ञान भी लिया और पेशी पर आरोपी को अच्छी तरह डांट भी लगाई। पर गौरतलब है कि इसके पहले भी उच्छृंखल रूप से सोशल मीडिया का दुरुपयोग जोर पकड़े हुए था और इसके बाद अभी भी चालू है।

**सोशल मीडिया में विशेष चिंता वाली उपस्थिति आज सेक्स और हिंसा की व्यापक उपस्थिति है। इसका एक से एक विद्रूप रूप मोबाइल में हर दिन हर घड़ी परोसा जा रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र में मूल अधिकार है। परंतु इसके तहत कुछ भी करने की छूट लेने की आज़ादी अधिकार में नहीं है। इस समय सोशल मीडिया और ख़ासतौर पर 'वेब सिरीज़', 'फ़ेसबुक पोस्ट' और 'रील' आदि में आ रही बहुसंख्यक प्रस्तुतियों में भोंडे सेक्स के निर्लज्ज प्रचार का ही बाहुल्य है। इन तक पहुँच पर कोई रोक-छेंक न होने से जवान, बच्चे और बूढ़े सभी इसकी तरफ़ अपनी सुविधानुसार मुखातिब होते हैं।**

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के रूप में ऐसे महानुभावों को आदर और धन संपदा भी मिलती है। वे रसूखदार लोगों में शुमार होते हैं। इस तरह सोशल मीडिया मनोरंजन, व्यापार, शिक्षा और संस्कार सबको प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया में विशेष चिंता वाली उपस्थिति आज सेक्स और हिंसा की व्यापक उपस्थिति है। इसका एक से एक विद्रूप रूप मोबाइल में हर दिन हर घड़ी परोसा जा रहा है । अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र में मूल अधिकार है। परंतु इसके तहत कुछ भी करने की छूट लेने की आज़ादी अधिकार में नहीं है। इस समय सोशल मीडिया और ख़ासतौर पर 'वेब सिरीज़', 'फ़ेसबुक पोस्ट' और 'रील' आदि में आ रही बहुसंख्यक प्रस्तुतियों में भोंडे सेक्स के निर्लज्ज प्रचार का ही बाहुल्य है। इन तक पहुँच पर कोई रोक-छेंक न होने से जवान, बच्चे और बूढ़े सभी इसकी तरफ़ अपनी सुविधानुसार मुखातिब होते हैं। विविध प्रकार की पोर्नोग्राफ़ी का यह दुरन्त विस्तार हर आयु वर्ग, हर धर्म और जाति तथा प्रत्येक आय वर्ग के लोगों को लुभा रहा है। अब यह निजी और गोपनीय नहीं रहा। इसका नशा हर वर्ग में बढ़ रहा है। **(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)**

# मन को बनाएं सुमन

**ब्रह्म कुमारी शिवानी**

**मनुष्य** की आत्मा की तीन मुख्य शक्तियां हैं- मन, बुद्धि और संस्कार। सोचने या संकल्प करने की शक्ति को मन कहते हैं। सोच को कर्म में लाने की निर्णय-शक्ति को बुद्धि तथा उस निर्णय को कार्यरूप में परिणत करने वाली शक्ति को संस्कार कहते हैं। अच्छे या बुरे संस्कार के अनुरूप इंसान कर्म का बीज बोता है और उसके अनुसार सुख-दुःख की फसल पाता है। 'मन-बुद्धि-संस्कार' का चक्र चलता रहता है। जीवन को सुख-शांतिमय बनाने के लिए इस चक्र को सुचारु बनाने की आवश्यकता है। मनुष्य के मन में चार प्रक्रियाएं चलती हैं- संकल्प, भावना, दृष्टिकोण व स्मृति, जो एक-दूसरे को प्रेरित और प्रभावित करते हैं। तभी हमारे संकल्प के अनुसार भावना, दृष्टिकोण एवं स्मृतियां बनते हैं। इन तीनों को सुखदायी बनाने के लिए हमें अपने सोच व संकल्पों को शुभ, सकारात्मक तथा कल्याणकारी बनाना होगा। परमात्मा भी श्रेष्ठ व शिव संकल्पों से सृष्टि रचते हैं। वे मनुष्यों के मन में आत्मोत्थान व स्व-कल्याण से विश्व-कल्याण करने की भावना व दृष्टिकोण विकसित करते हैं। जिससे, अच्छे संस्कार और सभ्य संसार का निर्माण होता है। अगर अपने जीवन और समाज को बेहतर बनाना है, तो सबसे पहले हमें अपने सोच और भावनाओं का नियंत्रण व प्रबंधन करना होगा। उन्हें नकारात्मकता से हटाकर शुभ, श्रेष्ठ, समर्थ और सकारात्मक बनाना होगा। इसे भावना प्रबंधन कहते हैं, जिससे उत्तम जीवन व समाज का प्रबंधन संभव है। अब सवाल है, मन में चल रहे अच्छे-बुरे संकल्प व भावनाओं का नियंत्रण कैसे करें? अगर हम दूसरों के अनुचित बोल व व्यवहार से अशांत होते हैं और उसके साथ गलत व्यवहार करते हैं, तो समझिए कि हमारी सकारात्मक शक्ति हार गई है। अपने मन तथा अपनी भावनाओं पर संयम रखने से हम नकारात्मकता पर जीत पा सकते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण व चिंतन से हम अपनी भावना और मन के मालिक बन सकते हैं। इसके लिए हमे अपनी मन को मनाना होगा कि, अगर दूसरा कोई हमारे साथ गलत व्यवहार करता है तो वह ईर्ष्या, घृणा व गुस्सा रूपी विकारों से पीड़ित है, बीमार है। वह दया, करुणा व मदद का पात्र है, न कि घृणा व क्रोध का। हम उसके मनोरोग से प्रभावित होकर उसकी बीमारी ठीक नहीं कर सकते हैं।

भारत की गौरवपूर्ण विरासत...

## नालंदा की तरह प्राचीन तेल्हारा विश्वविद्यालय

नालंदा की तरह प्राचीन तेल्हारा विश्वविद्यालय प्राचीन तेल्हारा विश्वविद्यालय, नालन्दा विश्वविद्यालय का प्रतिस्पर्धी था। चीनी यात्री ह्वेन त्सांग और इत्सिंग ने अपने यात्रा वृत्तांत में तेलहारा विश्वविद्यालय का उल्लेख उच्च शोध केंद्र के रूप में किया है। पुरातत्वविद् कनिंघम, जिन्होंने इस स्थल पर छह टीलों और शिलालेखों के एक समूह की खोज की, ने इस क्षेत्र को तेल्याधका या तेलाधका कहा। यह एक तीन मंजिला विश्वविद्यालय था जिसमें एक प्रार्थना कक्ष और 1,000 से अधिक छात्रों/भिक्षुओं के बैठने के लिए एक मंच था। इन इमारतों में प्रांगण, तीन मंजिला मंडप, मीनारें, द्वार आदि शामिल थे। इस स्थान पर कनिंघम ने एक मस्जिद की खोज की, जिसकी छत पत्थर के बीमों पर टिकी हुई पत्थर की विशाल पट्टियों से बनी थी। मस्जिद के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री एक मंदिर के अवशेष थे। खुदाई कार्य के दौरान एएसआई टीम को राख की 1.5 फुट मोटी परत दिखी। इससे पता चलता है कि तेल्हाड़ा विश्वविद्यालय भी नष्ट हो गया और नालन्दा और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों की तरह नष्ट हो गया। इस प्राचीन विश्वविद्यालय के बारे में संपूर्ण विवरण 'विश्वगुरु भारत: प्राचीनों की प्रतिध्वनि' के अध्याय 10 में वर्णित है।साथ ही इसी अध्याय में अधिक प्राचीन विश्वविद्यालयों और गुरुकुलमों का विवरण भी दिया गया है।

# विपक्ष द्वारा महाकुंभ की आलोचना करोड़ों सनातनियों की आस्था पर कुठाराघात

**डॉ भूपेंद्र कुमार**
**स्तंभ लेखक**

**प्रयागराज** में महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को महा शिवरात्रि के दिन इस महा धार्मिक समागम का समापन होगा। 45 दिनों तक चलने वाला महाकुंभ न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारत की संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक भव्यता का जीवंत प्रमाण है। यह न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि इसमें आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम भी देखने को मिलता है।

अब तक 55.56 करोड़ श्रद्धालु संगम में पवित्र डुबकी लगा चुके हैं और पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज में आने का सिलसिला जारी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव जैसे कुछ नेताओं द्वारा आस्था और एकता के इस प्रतीक को नीचा दिखाने की राजनीति शुरू हो गई है, जो करोड़ों सनातनियों की राह में रोड़ा अटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

ममता ने हाल ही में हुई भगदड़ की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि महाकुंभ 'मृत्यु कुंभ' में बदल गया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में वीआईपी को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं, लेकिन गरीबों को इससे वंचित रखा जा रहा है। ममता की भावनाओं को दोहराते हुए अखिलेश यादव ने भी सीएम योगी और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मुख्यमंत्री ने कहा कि 100 करोड़ लोगों के लिए व्यवस्था की गई है, तो लोग आश्वस्त हो गए। जब उन्होंने मशहूर हस्तियों और अन्य प्रसिद्ध लोगों को आमंत्रित किया, तो लोगों को और भी भरोसा हो गया कि व्यवस्था अच्छी होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भाजपा जनता की भावनाओं का फायदा उठा रही है। इस कुंभ में सबसे ज्यादा लापता लोग हैं, सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं और सबसे ज्यादा लोग बीमार पड़े हैं। इन आरोपों के बीच अखिलेश यादव के बयान उनके पिछले बयानों से उलट हैं, क्योंकि वे महाकुंभ की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग कर रहे हैं।

ये बयान सस्ती राजनीति की बू आ रही है, ऐसे समय में जब करोड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी साबित करती है कि भारतीय संस्कृति उनकी आस्था की तरह अडिग है। ऐसे बयानों के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म, मां गंगा, भारत या महाकुंभ के खिलाफ बेबुनियाद आरोप या फर्जी वीडियो बनाना देश के 56 करोड़ लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा, 'जब हम यहां चर्चा में भाग ले रहे हैं, तब प्रयागराज में 56.25 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ समाज का है, किसी राजनीतिक इकाई का नहीं। उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि कोई विशेष समूह महाकुंभ का आयोजन करता है। सीएम योगी ने आरजेडी और टीएमसी प्रमुखों पर भी हमला बोला और कहा कि लालू यादव ने कुंभ को बेकार बताया है और टीएमसी ने महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताया है. कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी और टीएमसी नेताओं ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिए हैं. सीएम योगी ने कहा कि अगर सनातन धर्म से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करना अपराध है तो हमारी सरकार भी उस अपराध को करती रहेगी।

## विराट कोहली ने वनडे में पूरे किए 14000 रन, सबसे तेजी से हासिल की उपलब्धि; सचिन को पीछे छोड़ा

एजेंसी ■ दुबई

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने वनडे में 14000 रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले के दौरान हासिल की। कोहली दुनिया के ऐसे तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने वनडे में इतने रन बनाए हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा वनडे में 14000 रन बना चुके हैं। कोहली को पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले 14000 वनडे रन पूरे करने के लिए 15 रन की जरूरत थी। कोहली ने 13वें ओवर में हारिस रऊफ की गेंद पर चौका लगाकर यह उपलब्धि पूरी कर ली। कोहली के पास बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भी ऐसा करने का मौका था, लेकिन वह 22 रन बनाकर आउट हो गए थे। वहीं, कोहली के पास संगाकारा को पीछे छोड़कर वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरा बल्लेबाज बनने का मौका भी है। भारत को अभी चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच खेलना बाकी है। अगर टीम सेमीफाइनल और फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में सफल रही तो कोहली को तीन मैचों में बल्लेबाजी का मौका मिलेगा। कोहली और संगाकारा के बीच रनों का फासला ज्यादा नहीं है, ऐसे में वह उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। अगर कोहली ऐसा करने में सफल रहे तो इस मामले में उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर होंगे जिनके नाम वनडे में 18426 रन हैं।

### सचिन की तरह कोहली ने भी पाकिस्तान के खिलाफ हासिल की उपलब्धि

कोहली इस मुकाम पर सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने 287 पारियों में वनडे पारियों में 14000 रन पूरे किए, जबकि सचिन ने इस उपलब्धि तक पहुंचने में 350 पारियां ली थी। सचिन तेंदुलकर ने 2006 में यह उपलब्धि अपने नाम की थी। उस वक्त सचिन ने पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। यह संयोग ही है कि दोनों ही दिग्गज बल्लेबाजों ने यह उपलब्धि पाकिस्तान के खिलाफ ही हासिल की है। वहीं, संगाकारा ने 378 पारियों में 14000 वनडे रन पूरे किए थे।

## जापान ने पेनल्टी शूटआउट में ईरान को 4-3 से हराया

एजेंसी ■ शेन्ज़ेन

एएफसी यू20 एशियाई कप चीन 2025 क्वार्टर फाइनल में, जापान ने रविवार को शेन्ज़ेन यूथ फुटबॉल ट्रेनिंग बेस सेंटर स्टेडियम में 1-1 से ड्रॉ के बाद नाटकीय पेनल्टी शूटआउट में ईरान पर 4-3 से जीत हासिल की। इस जीत ने न केवल जापान को सेमीफाइनल में जगह दिलाई, बल्कि फीफा यू20 विश्व कप चिली 2025 में भी उनकी जगह पक्की की। ईरान ने मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की, जिससे जापान की रक्षापंक्ति पर शुरुआती दबाव बना। तीसरे मिनट में, महान सादगी का प्रयास एक करीबी प्रयास के बाद वाइड चला गया, और जापान के गोलकीपर रुई अराकी ने एस्माईल घोलिजादेह के क्रॉस को लगभग विफल कर दिया। ईरान की दृढ़ता का पांचवें मिनट में फायदा मिला जब रेज़ा घांडीपुर ने बॉक्स के अंदर रिबाउंड को पकड़ा और ईरान को 1-0 की बढ़त दिला दी। जापान ने 30वें मिनट में शकोरी को मात देकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। मैच पेनल्टी में चला गया।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

## न्यूजीलैंड दबदबा कायम रखने और बांग्लादेश वापसी के लिए उतरेगा मैदान में

एजेंसी ■ राउलपिंडी

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में सोमवार को होने वाले ग्रुप मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम जहां टूर्नामेंट में अपनी जीत की लय कायम करने उतरेगी वहीं बांग्लादेश पिछले मैच में भारत से मिली करारी हार के बाद वापसी करने मैदान में उतरेगा।

न्यूजीलैंड ने मेजबान पाकिस्तानी धरती पर एकदिवसीय मुकाबलों में दबदबा बनाए रखते हुए लगातार चार जीत दर्ज की हैं और वह अगले मैच को लेकर उत्साहित है। अब देखना होगा कि टूर्नामेंट में भारत से मिली करारी के हार के बाद बांग्लादेश वापसी कर पाएगा या न्यूजीलैंड अपना दबदबा कायम रखता है। बांग्लादेश पिछले मैच के तौहीद हृदोय के जुझारू शतक को ध्यान में रखते हुए निराशाजनक प्रदर्शन से उबरकर एक बार फिर से अपने अभियान को शुरू करना चाहेगा। वहीं न्यूजीलैंड ने विल यंग और टॉम लैथम की अगुआई में शानदार बल्लेबाजी की है। मैट हेनरी और विल ओ रूर्के की अगुआई में उनकी गेंदबाजी इकाई ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वे बांग्लादेश की कमजोर बल्लेबाजी का फायदा उठाने का प्रयास करेंगे।

### बल्लेबाजों का फॉर्म में न होना बांग्लादेश के लिए परेशानी

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों फॉर्म में न होना उनके लिए परेशानी का सबब बना हुआ है भारत के खिलाफ दोनों बल्लेबाज पावरप्ले में ही आउट हो गए, जिससे मध्यक्रम की शुरुआत ही हो गई। न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उन्हें एक और हार से बचने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले चार मैचों में 215 रन बनाए हैं और इस दौरान तीन बार नाबाद रहे हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण उन्हें खेल बदलने वाला खिलाड़ी बनाती है। वहीं गेंदबाजों की बात की जाए तो मैट हेनरी पिछले दो सालों में पाकिस्तान की पिचों पर 15 विकेट चटकाए हैं जोकि किसी भी अन्य विदेशी गेंदबाज से अधिक। न्यूजीलैंड को उनसे बहुत उम्मीद होगी।

### विल यंग ने बांग्लादेश के खिलाफ आठ पारियों में बनाए 360 रन

बल्लेबाजी की बात की जाए तो विल यंग ने बांग्लादेश के खिलाफ आठ पारियों में 50 से अधिक की औसत से 360 रन बनाए हैं और उनकी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए बांग्लादेश की चिंता बढ़ सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि न्यूजीलैंड की जीत संभावनाएं बहुत अधिक हैं, लेकिन बांग्लादेश को उनके पिछले संस्करण में किए गए प्रदर्शन को देखते हुए उसे नकारा नहीं जा सकता। दोनों टीमें के बीच होने वाला मुकाबला रोमांचक होने के आसार है।

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार मिला

# बुमराह को आईसीसी ने दिए चार पुरस्कार

एजेंसी ■ दुबई

भारत-पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का रोमांचक मैच आज दुबई में चल रहा है। इस मैच से पहले भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आईसीसी ने सम्मानित किया। टेस्ट क्रिकेट में साल 2024 में तहलका मचाने वाले बुमराह को चार पुरस्कार दिए गए।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रविवार को यहां भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मैच शुरू होने से पहले आईसीसी के साल 2024 के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिसमें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार भी शामिल है। बुमराह को इन दोनों पुरस्कारों के अलावा 2024 के लिए पुरुष टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने के लिए 'टीम कैप (टोपी)' भी सौंपी गई। बुमराह पीठ में चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं।

आईसीसी ने इन चार पुरस्कारों में से प्रत्येक के साथ इस 31 साल के खिलाड़ी की तस्वीरें साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''जसप्रीत बुमराह को शानदार 2024 के लिए आईसीसी पुरस्कार और वर्ष की टीम कैप प्राप्त हुई।'' बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले रविवार को अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के अपने साथियों से भी मुलाकात की थी।

### बुमराह ने 13 मैचों में 71 विकेट लिए

बुमराह के लिए पिछला टेस्ट सत्र शानदार रहा था। उन्होंने 13 मैचों में 71 विकेट लिए थे। साल 2024 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास इंग्लैंड के गस एटकिंसन का था। जिन्होंने 11 मैचों में 52 विकेट लिए थे। उन्होंने 2024 में टेस्ट में 14।92 की औसत से विकेट चटकाये और साल का अंत 30।1 के स्ट्राइक रेट के साथ किया। वह इस दौरान कपिल देव, अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन के बाद एक कैलेंडर वर्ष में खेल के पारंपरिक प्रारूप में 70 या अधिक विकेट लेने वाले केवल चौथे भारतीय गेंदबाज बने।

### इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट में 19 विकेट लिए

इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल की शुरुआत में घरेलू श्रृंखला में उन्होंने पांच टेस्ट में 19 विकेट लिए जबकि साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने इतने ही टेस्ट मैचों में 32 सफलता हासिल की। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बुमराह टेस्ट में 200 विकेट के आंकड़े तक भी पहुंचे। लाल गेंद से अपने बेजोड़ प्रदर्शन के अलावा, बुमराह ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह इस वैश्विक प्रतियोगिता में 15 विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज बने।

## हार्दिक ने पूरे किए 200 अंतरराष्ट्रीय विकेट

एजेंसी ■ दुबई

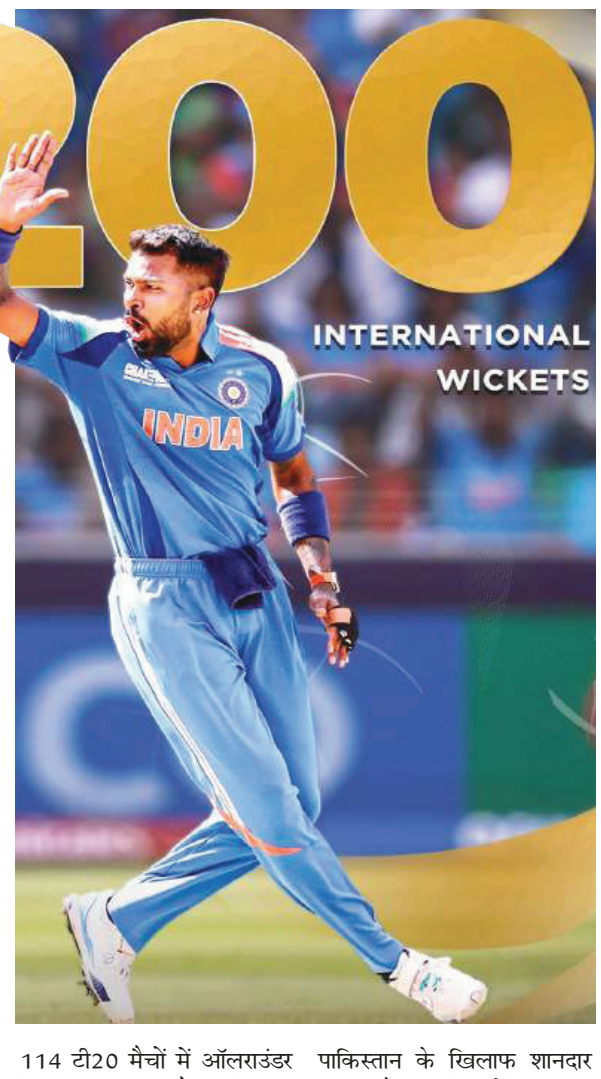


भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने रविवार को 200 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे किए। हार्दिक ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। मैच के दौरान हार्दिक अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। आठ ओवर में उन्होंने 3.87 की इकॉनमी रेट से 2/31 विकेट लिए। उन्होंने पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का अहम विकेट लिया, जिन्होंने लगातार बाउंड्री लगाई और साथ ही सऊद शकील का विकेट भी चटकाया, जिन्होंने अर्धशतक बनाया।

भारत के लिए 216 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, इस ऑलराउंडर ने 30.76 की औसत से 200 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/28 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका एकमात्र पांच विकेट लेने का कारनामा है। वह भारतीय क्रिकेट इतिहास में 24वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 11 टेस्ट मैचों में हार्दिक ने 31.05 की औसत से 17 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/28 रहा है। 91 वनडे मैचों में हार्दिक ने 35.26 की औसत से 89 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/24 रहा है। 114 टी20 मैचों में ऑलराउंडर ने 26.43 की औसत से 94 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/16 रहा है। यह हार्दिक का वनडे में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन है, जिसमें उन्होंने 24.60 की औसत से 10 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/31 रहा है।

## सनी देओल ने धोनी के साथ देखा भारत बनाम पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी मैच

एजेंसी ■ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल को भारत बनाम पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी के हाई-स्टेक मैच के दौरान टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ बातचीत करते देखा गया। मैच दुबई में हुआ, जबकि दोनों को मुंबई के एक स्टूडियो में मैच देखते हुए देखा गया। एक वीडियो में, देओल को स्टूडियो में प्रवेश करते और धोनी को गले लगाते हुए देखा जा सकता है। दोनों ने एक-दूसरे का अभिवादन किया और फिर मैच का विश्लेषण करते हुए देखा गया, क्योंकि भारतीय गेंदबाजों ने अपनी घातक गेंदबाजी से पाकिस्तानी बल्लेबाजों पर हमला किया।

जैसे ही उनका वीडियो प्रशंसकों को दिखाया गया, हिंदी कमेंट्री बॉक्स में मौजूद नवजोत सिंह सिद्धू ने चुटकी लेते हुए कहा, गदर मचा देंगे। रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लाइव देखने के लिए कई सेलेब्स भी दुबई स्टेडियम पहुंचे। सोनम कपूर को पति आनंद आहूजा के साथ मैच का लुत्फ़ उठाते हुए देखा गया। सिर्फ़ वे ही नहीं, बल्कि साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी भी स्टेडियम में अकेले मैच देखते हुए देखे गए।

## भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से पटक सेमीफाइनल की रेस से किया बाहर

एजेंसी ■ दुबई

गेंदबाजों के संयुक्त प्रयास के बाद विराट कोहली के शानदार शतक ने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार दूसरी जीत दिला दी। टीम इंडिया ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेल गए मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने वाली पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवरों में 241 रनों पर ढेर हो गई। भारत ने ये लक्ष्य 42.3 ओवरों में हासिल कर लिया। पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सउद शकील ने बनाए उन्होंने 76 गेंदों पर 62 रनों की पारी खेली जिसमें पांच चौके शामिल रहे। वहीं भारत के लिए विराट कोहली ने नाबाद 100 रन बनाए। ये पाकिस्तान की इस चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार दूसरी हार है। इसी के साथ उसका सेमीफाइनल में जाना नामुमकिन हो गया है। पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड ने मात दी थी।

**कोहली और अय्यर की पार्टनशिप:** गिल के जाने के बाद कोहली ने अपना खेल जारी रखा और उन्हें साथ मिला श्रेयस अय्यर का। अय्यर और कोहली ने तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेजारी की। दोनों ने मिलकर 114 रन बनाए। अय्यर 67 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने में सफल रहे। अय्यर को खुशदिल ने आउट किया। हार्दिक पांड्या आठ रन ही बना सके।

### रोहित फेल,विराट हिट

242 रनों के टारगेट का पीछा कर रही टीम इंडिया को कप्तान रोहित और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत देने की कोशिश की। हालांकिस 31 के स्कोर पर शाहीन शाह अफरीदी की यॉर्कर ने रोहित की पारी का अंत कर दिया। वह 15 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हो गए। इसी के साथ रोहित ने बतौर ओपनर अपने 9000 रन पूरे किए जिसके लिए उन्होंने 181 पारियां लीं। वह पारियों के हिसाब से सबसे तेज ये मुकाम हासिल करने वाले बल्लेबाज हैं। उनसे पहल सचिन तेंदुलकर के नाम ये रिकॉर्ड था। सचिन ने 197 पारियों में ये मुकाम छुआ था। गिल लगातार पांचवीं बार 50 प्लस स्कोर की तरफ जा रहे थे। तभी अबरार अहमद की फिरकी ने उन्हें ये पंजा मारने से रोक दिया। भारतीय उप-कप्तान 52 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 46 रन ही बना सके। इसके बाद कोहली ने अपना काम किया और अर्धशतक जमाया। इस दौरान उन्होंने वनडे में अपने 14,000 रन भी पूरे कर लिए।

### कमजोर रही बल्लेबाजी

इससे पहले, पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी चुनी। बाबर आजम और इस मैच में फखर जमां की जगह आए इमाम उल हक ने टीम को सधी हुई शुरुआत दी। हार्दिक पांड्या ने इस साझेदारी को पनपने नहीं दिया। उन्होंने 41 के कुल स्कोर पर बाबर को आउट किया जो 26 गेंदों पर 23 रन ही बना सके। इमाम की पारी का अंत अक्षर पटेल ने एक शानदार थ्रो से किया। वह 26 गेंदों पर 10 रन ही बना सके इसके बाद बीच के ओवरों में पाकिस्तानी टीम ने विकेट तो नहीं खोया, लेकिन काफी धीमी गति से रन बनाए। रिजवान और शकील ने तीसरे विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की। अक्षर ने रिजवान को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा और फिर पाकिस्तान की टीम लगातार विकेट खोती रही। रिजवान ने 77 गेंदों पर 46 रन बनाए। कुछ देर बाद शकील को पांड्या ने आउट कर दिया। सलमान अगा 19, तैयब ताहिर चार, शाहीन शाह अफरीदी बिना खाता खोले आउट हो गए।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान : 1200 से अधिक स्थानों पर साइकिल चालकों ने लिया भाग

## मांडविया ने साईकिल चलाकर लोगों को फिटनेस के प्रति किया जागरूक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनुषख मांडविया ने रविवार को एक बार फिर लोगों के फिटनेस के प्रति लोगो को जागरूक करते हुए साइक्लिंग क्लबों के सदस्य, ओलंपिक रोवर अर्जुन लाल जाट, विशेष अतिथि उद्योग निकायों, फिक्की और सीआईआई के प्रतिनिधियों के साथ-साथ फिटनेस ब्रांड डेकाथलॉन, योग भारत तथा माई भारत के सदस्यों के साथ 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान की अगवुाई की। आज यहां कार्यक्रम के नौवें सप्ताह में 1200 से अधिक स्थानों पर साइकिल चालकों ने भाग लिया।

इस दौरान श्री मांडविया ने कहा, प्रधानमंत्री ने मोटापे के खिलाफ जो लड़ाई शुरू की है, उसमें हमें अपने जीवन में रोजाना फिटनेस गतिविधियों को शामिल करने के लिए एक साथ आना चाहिए। साइकिल चलाना सबसे आसान व्यायाम है और इसका पर्यावरण पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है और प्रदूषण का समाधान है।

■ सीआईआई के स्पोर्ट्सकॉम के कोषाध्यक्ष विदुषपत सिंघानिया ने कहा, मैं इस पहल को शुरू करने के लिए खेल मंत्री को बधाई देता हूं। अच्छा स्वास्थ्य सीधे बेहतर उत्पादकता और उच्च जीडीपी से जुड़ा हुआ है। एक उद्योग निकाय के रूप में हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक कॉरपोरेट फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल से जुड़ें और इस आंदोलन का समर्थन करें।

■ फिक्की की खेल समिति की सचिव नेहा रस्तोगी माथुर ने कहा, यह खेल मंत्री की एक बेहतरीन पहल है और हम आज इस अभियान का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं। साइकिल चलाना फिट रहने का एक बेहतरीन तरीका है, यह आसान, सरल और एक पारिवारिक गतिविधि है जिसे अलग-अलग पीढ़ियों के लोग एक साथ कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)